राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 06 मई 2026

वर्ष 16, अंक 87, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

पश्चिम बंगाल आज से भयमुक्त और विकास के भरोसे से युक्त हुआ.....03

ईरानी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों को चीन ने ठुकराया....04

ढेर हुए धुरंधर, चमक उठी 2 साल पुरानी पार्टी... एक्टर विजय की पार्टी की जय-जय?

- तमिलनाडु के रण में कैसे हुई एक्टर विजय की पार्टी की जय-जय?

अभिनेता विजय की महज दो साल पुरानी पार्टी टीवीके ने तमिलनाडु की दशकों पुरानी डीएमके-एआईएडीएमके राजनीति को चुनौती दी है

विजय ने अपनी सिनेमाई लोकप्रियता को वोटों में बदलकर 100 से अधिक सीटों पर बढ़त बनाई

महज दो साल पुरानी पार्टी टीवीके ने तमिलनाडु की 50 साल से ज्यादा समय से चली आ रही दो धुर्वों में बंटी राजनीति को हिला कर रख दिया. तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को हुई मतगणना में अभिनेता से नेता बने विजय ने 100 से ज्यादा सीटों पर बढत बना रखी है. नतीजें बताते हैं कि फिल्म सुपरस्टार विजय अपनी सिनेमाई लोकप्रियता को वोटों में बदलने में कामयाब रहे. नतीजा विजय की ऑन स्क्रीन लोकप्रिय तमिलनाडु में राजनीतिक ताकत के रूप में जनता के सामने है।

तमिलनाडु की जनता राजनीति के द्रविड़ मॉडल से ऊब गई थी. राज्य में बारी बारी से कभी डीएमके तो कभी एआईएडीमके की सरकार में तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी. उनको विजय में उम्मीद और विकल्प दिखा. खासकर राज्य के युवाओं और महिला वोटरों में विजय का जबरदस्त क्रेज था. फिल्मों की तरह असल जावन में भी विजय युवाओं को एक शांत पर पुराने पड़ चुके राजनीतिक ढर्रे को तोड़ने वाले हीरो के रूप में नजर आए।

सिनेमाई करिश्मा बना चुनावी ताकत

विजय ने अपना प्रोजेक्शन एक ऐसे नेता के तौर पर किया जो द्रविड़ आईडेंटिटी का सम्मान तो करता है पर जाति और धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण के खिलाफ है. विजय ने राज्य के दलित और अल्पसंख्यक वोटरों के एक बड़े हिस्से को भी अपनी तरफ खींचा.

लेकिन विजय के लिए राह उतनी आसान नहीं रही. पिछले साल सितंबर में विजय की करूर रैली में 41 लोगों की मौत के बाद से अब सत्ता की दहलीज तक का सफर चुनौतियों से भरा रहा. विजय के पास दूसरे दलों जैसा कार्यकर्ताओं का संगठन नहीं था जो वोटरों को घर से निकालकर कर वोटिंग बूथ तक ले जाता है. इसके लिए विजय ने राज्य भर में फैले अपने फैन क्लब का सहारा लिया. दरअसल विजय ने राजनीति में आने से पहले अपने फैन क्लब विजय मक्कल इयक्कम को तैयार किया. चुनावों में इसी फैन क्लब ने बूथ स्तर पर काम किया और सिनेमाई करिश्मा को वोटों में बदला.

डीएमके-एआईएडीएमके के एकाधिकार को चुनौती

तमिलनाडु में एक्ट विजय को सत्ता के नजदीक पहुंचाने में मौजूदा डीएमके सरकार की सत्ता विरोधी लहर ने भी मदद की. डीएमके की परिवारवाद की राजनीति, डीएमके नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप , कानून-व्यवस्था के मसले पर भी तमिलनाडु का जनता स्टालिन सरकार से परेशान थी।

सीएम स्टालिन के उत्तराधिकारी के तौर पर उदयनिधि स्टालिन के उभार में युवाओं को वंशवाद नजर आया. लिहाजा युवा को पूरी तरह एक्टर विजय के साथ हो लिए. उधर एआईएडीएमके भी नेतृत्व की लड़ाई से बिखरता चला गया. ईपीएस और ओपीएस की गुटबाजी और पुराने नेताओं के साथ छोड़ने के चलते जनता और एआईएडीएमके कार्यकर्ताओं को पार्टी को लेकर भरोसे का संकट दिखा. असर ये हुआ कि एआईएडीएमके के भरोसेमंद वोटर जो डीएमके के साथ नहीं जा सकते थे. उन्होने भी एक्टर विजय की पार्टी में अपना नया ठिकाना ढूढा।

फैन क्लब, युवा और महिला वोटरों की भूमिका

विजय के शिक्षा, स्वास्थ्य को लेकर वादों ने पढ़ें लिखे मध्यम वर्ग को उम्मीद दी, जो डीएमके और एआईएडीएमके के फ्री वादों के कल्चर से परेशान थे। विजय ने पूरे चुनाव में कोई इंटर्व्यू नही दिया, जिससे अनावश्यक विवाद और आरोप-प्रत्यारोप की लड़ाई से बचे रहे. विजय की पार्टी का छोटे छोटे गानों, वीडियो संदेश का सोशल मीडिया और डिजिटल कैंपेन का तरीका भी शहरी और ग्रामीण वोटरों को खूब भाया. जानकार बताते है कि न्यूट्रल और फ्लोटिंग वोटरों ने भी काफी हद तक विजय को वोट किया. भाषाई विवाद और रीजनल पहचान के मुद्दे पर बीजेपी के खिलाफ डीएमके को वोट करने वाले वोटरों ने भी विजय को ही विकल्प के तौर पर देखा।

दिग्गजों की फौज, रिकॉर्ड दौरे और धुआंधार प्रचार... बीजेपी ने बंगाल में किया 'खेला'

- पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अपने केंद्रीय नेतृत्व के साथ बड़ा कैंपन चलाया.
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 से अधिक बार दौरा किया, जबकि गृह मंत्री अमित शाह ने 40 से ज्यादा कार्यक्रम किए.
- 43 में से 41 संगठनात्मक जिलों को कवर किया गया, जिसमें शीर्ष नेताओं ने रैलियों और रोड शो के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंच बनाई।

बीजेपी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जबरदस्त प्रदर्शन किया है. पहली बार राज्य में बीजेपी की सरकार बनने जा रही है. इस जीत के कई किरदार हैं, जिसमें पीएम मोदी, अमित शाह से लेकर बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने सियासी रण में जमकर पसीना बहाया.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव अभियान के दौरान 22 से अधिक बार पश्चिम बंगाल का दौरा किया. आचार संहिता लगने के बाद प्रधानमंत्री के कुल 21 कार्यक्रम आयोजित हुए. इन कार्यक्रमों से कुल 43 में से 41 संगठनात्मक जिले कवर किए गए. अधिसूचना जारी होने से पहले कोलकाता में जनसभा का आयोजन हुआ था, जिसे प्रधानमंत्री ने संबोधित किया. इसे लेकर दावा किया गया कि इसमें 5.5 लाख से अधिक लोगों की उपस्थिति रही।

विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुल 19 चुनावी जनसभाएं हुई. चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने 2 रोड शो हावड़ा और कोलकाता में किए. इसके साथ ही झाड़ग्राम में प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर जाने के दौरान रास्ते में रुककर छोटी सी दुकान से झालमुड़ी खाई. कोलकाता में प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री ने नौका विहार भी किया।

केंद्रीय गृह मंत्री की सभाएं

चुनाव प्रचार अभियान के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के कुल 40 कार्यक्रम आयोजित हुए. इन कार्यक्रमों के जरिए 43 में से 39 संगठनात्मक जिले कवर किए गए. कुल 57 विधानसभा कवर हुई. अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में कुल 29 जनसभाओं को संबोधित किया. प्रदेश भर में केंद्रीय गृहमंत्री ने कुल 11 रोड शो किए.

राष्ट्रीय अध्यक्ष की सभाएं

चुनाव में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कुल 17 विधानसभाओं में कार्यक्रम आयोजित हुए. राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित केंद्रीय नेताओं के कुल 128 विधानसभाओं में कार्यक्रम हुए. इसमें जेपी नड्डा (9) राजनाथ सिंह (6) शिवराज सिंह चौहान (1) अश्विनी वैष्णव (3, अर्जुन सिंह (3), बाबूलाल मरांडी (2) स्मृति ईरानी (31) अनुराग ठाकुर (4) विप्लब देब (8), हेमा मालिनी (4), मनोज तिवारी (17), कंगना रनौत (4) और रवि किशन (14) ने विधानसभाओं में जनसभा को संबोधित किया।

विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की सभाएं

चुनाव प्रचार में बीजेपी शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की भी सभाएं और रोड शो हुए. इनमें हिमंत बिस्वा सरमा (2), योगी आदित्यनाथ (23), देवेंद्र फडणवीस (3) मोहन यादव (5), भजन लाल शर्मा (4), मोहन मांझी (2), माणिक शाह (14), रेखा गुप्ता (15) और विष्णु देव साय (4) ने विधानसभाओं में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया।

संक्षिप्त ख़बरें

शादी टूटने से आहत युवती ने की आत्महत्या

कमरे में पंखे से लटका मिला शव, लड़के वालों ने शादी करने से कर दिया था इनकार

सुलतानपुर- शादी टूटने से आहत युवती ने फंदे से लटककर जान दे दी। मृतका के चाचा ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर सीओ भी पहुंचे और मौका मुआयना किया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। यह पूरा मामला धम्मौर थाना क्षेत्र के बनकेपुर गांव का है। गांव निवासी इम्तियाज की बेटी आसमा जूनियर स्कूल में पढ़ती थी। कुछ समय पहले उसकी शादी तय हुई थी। लेकिन किसी कारणवश लड़की पक्ष ने विवाह से इनकार कर दिया था। इसी बात से वह काफी समय से मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। उसकी मां और भाभी सोमवार की दोपहर में घर के दूसरे कमरे में थीं। इसी दौरान आसमा पीछे के कमरे में गई और पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों ने जंगले से देखा तो वह फंदे से लटकी मिली। घटना की सूचना आसमा के चाचा इफ्तिखार अहमद ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं, नगर सीओ सौरभ सामंत ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

धमना रोड पर दो बाइकों की टक्कर, एक घायल,मामला दर्ज

तालबेहट। थाना पूराकलां क्षेत्र के धमना रोड पर दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में एक व्यक्ति घायल हो गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम धमना निवासी रामसखी पत्नी बालकिशन बरार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 अप्रैल 2026 की शाम करीब 5 बजे उनके पति बालकिशन अपनी प्लेटिना मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह धमना रोड पर पहुंचे, सामने से आ रहे कमलेश पुत्र भन्जू रजक निवासी ग्राम पुलवारा थाना बार अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल यूपी 94 एस 6822 से तेज गति व लापरवाही से आए और उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बालकिशन को शरीर में कई जगह चोटें आई। घटना के बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सिद्धार्थनगर में रील बनाने के लिए पानी की टंकी पर चढ़े थे किशोर

- नीचे उतरते सीढ़ी टूटी 1 की मौत, 2 घायल, टंकी पर 2 फंसे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। शहर के कांशीराम आवासीय कॉलोनी में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में पानी की टंकी से गिरकर 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, दो किशोर टंकी के ऊपर ही फंसे हुए हैं। सीढ़ी टूट जाने के कारण वे नीचे नहीं उतर पा रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक प्रशासन उन्हें सुरक्षित नीचे उतारने के लिए लगातार प्रयास कर रहा था। जानकारी के अनुसार, पांच किशोर पानी की टंकी पर रील बनाने के उद्देश्य से चढ़ गए थे। रील बनाने के बाद जब वे नीचे उतरने लगे तो जल्दबाजी में तीन किशोर एक साथ सीढ़ी पर आ गए। इसी दौरान टंकी की सीढ़ी टूट गई और तीनों नीचे गिर गए। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सभी को तत्काल मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया।

चिकित्सकों ने 13 वर्षीय सिद्धार्थ पुत्र धर्मेंद्र को मृत घोषित कर दिया। मृतक मोहाना थाना क्षेत्र के झूलनीपुर का निवासी था और कांशीराम कॉलोनी में अपने रिश्तेदार के यहां आया हुआ था। घायल किशोरों में 11 वर्षीय शनि पुत्र बरसाती और 14 वर्षीय गोलू पुत्र चंद्रेश शामिल हैं। दोनों के सीने में गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। जबकि 16 वर्षीय पवन पुत्र मिथलेश और 14 वर्षीय पुत्र जमीरुद्दीन टंकी के ऊपर ही फंसे हुए हैं। सीढ़ी टूटने के कारण उनके नीचे उतरने का कोई रास्ता नहीं बचा है। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन पर्याप्त संसाधन न होने के कारण उन्हें नीचे उतारने में सफलता नहीं मिल सकी।

घटना की सूचना पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन गोरखपुर से एसडीआरएफ टीम को बुलाया। प्रशासन का कहना है कि टीम के पहुंचते ही दोनों फंसे किशोरों को सुरक्षित नीचे उतार लिया जाएगा। घटना के बाद कॉलोनी में शोक और दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग इस हादसे को लेकर बेहद व्यथित हैं और प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग कर रहे हैं।

स्पाइसजेट को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका

» 144 करोड़ रुपये जमा करने के आदेश की समीक्षा याचिका खारिज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। कलानिधि मारन और कल एयरवेज के साथ चल रहे कानूनी विवाद के सिलसिले में 144 करोड़ रुपये जमा करने के पहले के आदेश की समीक्षा की स्पाइसजेट की मांग को दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को ठुकरा दिया। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने एयरलाइन और इसके प्रमोटर अजय सिंह पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। मामले पर निर्णय सुनाते हुए पीठ ने कहा कि 50,000 रुपये के जुर्माने के साथ याचिका खारिज की जाती है। 19 जनवरी को हाई कोर्ट ने स्पाइसजेट और अजय सिंह को निर्देश दिया था कि वे 194 करोड़ रुपये की स्वीकार की गई देनदारी के मुकाबले छह सप्ताह के भीतर रजिस्ट्री में 144 करोड़ रुपये जमा करें।

चार सप्ताह के लिए बढ़ाई गई थी समय सीमा

18 मार्च को जमा करने की समय सीमा चार सप्ताह के लिए बढ़ा दी गई थी। अजय सिंह और उनकी एयरलाइन ने 18 मार्च के निर्देश पर कई आधारों पर पुनर्विचार की मांग की थी और इसमें पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण पैदा हुआ वित्तीय संकट का हवाला दिया गया था। इसके बजाय, स्पाइसजेट ने गुरुग्राम में एक कमर्शियल संपत्ति को सिक्योरिटी के तौर पर पेश किया और कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार उसे कुछ मदद देने को तैयार है।

अजय सिंह के कंट्रोल वापस लेने के बाद शुरू हुआ विवाद

मारन और कल एयरवेज़ ने समीक्षा याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि वित्तीय संकट से जुड़े मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही विचार कर चुका है और उन्हें खारिज भी कर चुका है। यह मामला स्पाइसजेट के कंट्रोलिंग शेयरहोल्डर सिंह को मालिकाना हक ट्रांसफर होने के बाद, मारन के पक्ष में वारंट जारी न किए जाने से जुड़े विवाद से जुड़ा है। यह विवाद तब शुरू हुआ था जब फरवरी 2015 में एयरलाइन में वित्तीय संकट के बीच अजय सिंह ने स्पाइसजेट का कंट्रोल वापस अपने हाथों में ले लिया था।

गुरुग्राम में सांप के काटने से युवक की मौत, बारिश के दौरान झुग्गी में घुस गया था सांप

गुरुग्राम। बजघेड़ा थाना क्षेत्र के न्यू पालम विहार सेक्टर 101 में स्थित झुग्गियों में रहने वाले एक युवक की सांप के काटने से मौत हो गई। रविवार रात वर्षा के दौरान सांप झुग्गियों में घुस गया था। युवक उस दौरान सो रहा था, जब उसे दर्द हुआ तब आसपास के लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की पहचान मूल रूप से दरभंगा जिले के मनी गाछी गांव के रहने वाले 28 वर्षीय जुमेराती के रूप में की गई है। बताया जाता है कि वह गुरुग्राम में रहकर सेक्टर 101 की एक कंपनी में हाउस कीपिंग का काम करते थे। गांव के कुछ लोग भी पास में ही रहते हैं उन्होंने बताया रविवार रात जुमेराती झुग्गियों में सो रहे थे, इसी दौरान उन्हें कुछ चुभने जैसा महसूस हुआ। जब उन्होंने उठकर देखा तब उन्हें एक सांप जाता हुआ दिखाई दिया। इस पर उन्होंने गांव के लोगों को सूचना दी। थाना पुलिस ने बताया कि शव को सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

बिना कारण 3 महीने तक जेल में रखा, हाई कोर्ट ने यूपी सरकार पर लगाया 10 लाख का जुर्माना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए 10 लाख रुपये का हर्जाना लगाया है. कोर्ट ने एक युवक को बिना किसी कारण बताए तीन महीने जेल में रखने को असंवैधानिक करार दिया. जस्टिस अब्दुल मोइन और जस्टिस प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार इस राशि को जिम्मेदार अधिकारियों से वसूल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब इतने बड़े अधिकारी अपर मुख्य सचिव, गृह का ये हाल है तो दूसरे अधिकारी किस स्तर पर काम कर रहे होंगे. कोर्ट ने यह भी नोट किया कि अपर मुख्य सचिव गृह ने हलफनामे में यह तक नहीं बताया कि हर्जाना क्यों न लगाया जाए. खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी शख्स को गिरफ्तार करने का कारण लिखित रूप में बताना संवैधानिक दायित्व है. इसे नजरअंदाज करना नागरिक के मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन है।

क्या है पूरा मामला?

याची मनोज कुमार को 27 जनवरी 2026 को उन्नाव जिले के असिवन थाने में दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था. कोर्ट ने पाया कि गिरफ्तारी के बाद तीन महीने तक मनोज कुमार को जेल में रखा गया, लेकिन न तो कोई स्पष्ट आरोप तय किए गए और न ही कोई कारण बताया गया. कोर्ट ने मनोज कुमार की तत्काल रिहाई का आदेश दिया. साथ ही ये कहा कि यदि वो किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए. कोर्ट ने कहा कि महत्वपूर्ण गिरफ्तारी का कारण लिखित रूप में बताना अनिवार्य है. बिना कारण बताए लंबे समय तक हिरासत में रखना असंवैधानिक है. जिम्मेदार अधिकारियों से हर्जाने की राशि वसूली जाए।

फतेहपुर सीकरी स्मारक के अंदर युवती से दुष्कर्म, घूमने आई थी, दो युवक पकड़कर ले गए सुनसान जगह

फतेहपुर सीकरी (आगरा)। विश्व धरोहर स्मारक फतेहपुर सीकरी की साख पर एक दरिंदे एवं उसके साथी ने बट्टा लगा दिया है। स्मारक घूमने आई युवती को धमकाकर दो युवक सुनसान जगह पर ले गए और दुष्कर्म किया। थाना क्षेत्र के एक गांव की ग्रेजुएट युवती शनिवार दोपहर करीब दो बजे विश्व धरोहर स्मारक घूमने आई थी। स्मारक भ्रमण के दौरान युवती लघुशंका के लिए भीड़ से अलग होकर सुनसान जगह पर गई। इसी दौरान दो युवकों ने उसका वीडियो बना लिया। युवती ने वीडियो बनाने का विरोध किया। तभी दोनों युवकों ने उसे धमकाते हुए पकड़ लिया। निर्जन स्थान पर एक युवक द्वारा छात्रा के साथ दुष्कर्म किया गया, जबकि दूसरा साथी निगरानी करता रहा। बड़ी मुश्किल से थाने पहुंची पीड़िता ने पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी दी। घटनाक्रम की जानकारी से पुलिस में हड़कंप मच गया। एसीपी ने भी पीड़िता से घटनाक्रम की जानकारी ली गई। पीड़िता ने दोनों आरोपित युवकों का हुलिया प्रभारी निरीक्षक को बताया है। दोनों आरोपित युवकों को पहचान कर गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक आनंद वीर सिंह के अनुसार पीड़ित युवती की तहरीर पर दो अज्ञात युवकों के विरुद्ध दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया है।

बेटे को मारा टक्कर, पिता को भी 2 किमी तक बोनट पर घसीटा ...

- हैदराबाद के मीरपेट में एक चौंकाने वाली रोड रेज घटना सामने आई है.
- एक कार ने टू-व्हीलर को टक्कर मारी, जिसके बाद विवाद में ड्राइवर ने एसके जिलानी को कार के बोनट पर 2 किलोमीटर तक घसीटा.
- बेटा फैसल गंभीर रूप से घायल है. स्थानीय लोगों की मदद से कार रुकी पर ड्राइवर फरार हो गया. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

रुह कंपा देगा हैदराबाद का हिट एंड रन केस

हैदराबाद के रंगारेड्डी जिले के मीरपेट पुलिस स्टेशन इलाके में एक चौंकाने वाली रोड रेज की घटना हुई, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई. पीड़ित के मुताबिक, एक कार ने पीछे से एक टू-व्हीलर को टक्कर मार दी, जिससे पीड़ितों पिता एसके जिलानी और उनके बेटे फैसल और कार ड्राइवर के बीच झगड़ा हो गया. बेटा फैसल को गंभीर चोटें आई. दुर्घटना के बाद, दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई. कार को रोकने और ड्राइवर से पूछताछ करने की कोशिश में जिलानी गाड़ी के सामने खड़ा हो गया।

हालांकि, ड्राइवर ने लापरवाही से भागने की कोशिश की, जिससे जिलानी कार के बोनट पर गिर गया. इस चौंकाने वाले मामले में ड्राइवर जिलानी को बोनट से चिपकाए हुए लगभग 2 किलोमीटर तक गाड़ी चलाता रहा, जिससे उसकी जान जा सकती थी. खबर है कि कार बालापुर चौरास्ता से मंडमल्लम्मा चौरास्ता की तरफ तेजी से जा रही थी, जिलानी अभी भी बोनट पर था और आस-पास खड़े लोग हैरान होकर देख रहे थे. आखिरकार, सतर्क स्थानीय लोगों और दूसरे आने-जाने वालों ने बीच-बचाव किया और गाड़ी रोक दी।

फरार ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश जारी

अफरा-तफरी का फायदा उठाकर ड्राइवर पीड़ित को छोड़कर मौके से भाग गया. इस बीच फैसल, जिसे शुरुआती टक्कर और उसके बाद हुई हाथापाई में चोटें आईं, उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका अभी इलाज चल रहा है. पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है. फरार ड्राइवर की पहचान करने और उसे पकड़ने की कोशिशें जारी हैं. अधिकारी छ्ष्टज्ञङ्क फुटेज भी देख रहे हैं और चश्मदीदों के बयान इकट्ठा कर रहे हैं ताकि घटनाओं का क्रम जोड़ा जा सके और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

मंडामलम्मा चौराहे पर, राहगीरों ने बीच-बचाव करते हुए वाहन को रोक दिया, जिसके चलते ड्राइवर मौके से भाग निकला. जिलानी के बेटे फैसल को गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें पास के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

भाजपा के लिए बडी चुनौती होगी टीएमटी नेटवर्क को तोड़ना

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत से भी कहीं ज्यादा सीट पाकर सत्ता तो कब्जा ली, भारी बहुमत भी हासिल कर लिया, किंतु उसे यहां टीएमटी की बड़ी चुनौती का लगातार सामना करना होगा।टीएमटी उसके सामने लगातार चुनौती खड़ी करती रहेगी। पश्चिम बंगाल की राजनीति वह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण अध्याय है। यह केवल सत्ता के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि एक गहरी जड़ें जमा चुके राजनीतिक तंत्र को उखाड़कर नया तंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया है। बूथ लेबिल तक अपना नेटवर्क बनाना है। जड़ तक पंहुचे भ्रष्टाचार को खत्म कर यहां विकास के रास्ते खोलना एक बड़ी चुनौती होगी। भर्ती घोटालों के लिए बदनाम बंगाल को गंगा सागर के जल से पवित्र करना होगा। इस सबके लिए उसे कड़ी मेहनत करनी होगी।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पिछले 15 साल से बंगाल की नसों में इस कदर समाई हुई है कि उसे केवल चुनावी जीत से बेदखल नहीं किया जा सकता। भाजपा के लिए असली चुनौती शपथ ग्रहण के बाद शुरू होगी, क्योंकि बंगाल में सत्ता का अर्थ केवल सचिवालय (नबन्ना) पर कब्जा करना नहीं है, बल्कि 'पाड़ा' (मोहल्ले) और 'बूथ' पर अपना नियंत्रण स्थापित करना है। बंगाल की राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता इसका कैडर-आधारित ढांचा है। पहले यह केडर बेस ढांचा पहले वामपंथियों के पास था। इसे ममता बनर्जी ने एक लंबे और हिंसक संघर्ष के बाद अपने पाले में किया। आज टीएमसी का संगठन केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा तंत्र बन चुका है। ग्रामीण इलाकों में एक साधारण ग्रामीण के लिए टीएमसी का स्थानीय नेता ही कानून है, वही रोजगार दिलाने वाला है । वही सामाजिक विवादों का निपटारा करने वाला 'दादा' है। भाजपा के लिए सबसे पहली और बड़ी बाधा इसी 'बूथ-स्तर' के संगठन को तोड़ना है। भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में बंगाल में अपना आधार तो बढ़ाया है, लेकिन उसका ढांचा अभी भी कई जगहों पर 'ऊपर से नीचे' की ओर है। टीएमसी की जगह लेने के लिए भाजपा को ऐसे कार्यकर्ताओं की फौज खड़ी करनी होगी जो केवल चुनाव के समय सक्रिय न हों, बल्कि साल के 365 दिन जनता के सुख-दुख में साथ खड़े रहें।

टीएमसी की दादागिरी और गुंडागर्दी बंगाल की राजनीतिक संस्कृति का एक दुखद हिस्सा बन चुकी है। यहाँ 'मसल पावर' और 'मनी पावर' का ऐसा गठजोड़ है जो विपक्षी कार्यकर्ताओं को पनपने नहीं देता। भाजपा यदि सरकार बना भी लेती है, तो उसे एक ऐसी पुलिस व्यवस्था और प्रशासन को पुनर्जीवित करना होगा जो दशकों से राजनीतिक इशारों पर नाचने का आदी हो चुका है। टीएमसी के कार्यकर्ता जो स्थानीय स्तर पर ठेकेदारी, सिंडिकेट और वसूली के तंत्र से जुड़े हैं, वे आसानी से अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे। भाजपा को यहाँ 'कानून के राज' को बहाल करने के लिए कठोर कदम उठाने होंगे। साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि वह स्वयं उसी हिंसा के चक्र में न फंस जाए। जनता को यह विश्वास दिलाना होगा कि भाजपा की सरकार में किसी भी व्यक्ति को अपनी राजनीतिक विचारधारा के कारण जान का जोखिम नहीं उठाना पड़ेगा। विश्वास बहाली की इस प्रक्रिया में 'अस्मिता' और 'विकास' का संतुलन सबसे महत्वपूर्ण है। टीएमसी ने हमेशा भाजपा को 'बाहरी' (बोहिरागोतो) दल के रूप में चित्रित किया है। इस नैरेटिव को काटने के लिए भाजपा को बंगाली संस्कृति, भाषा और परंपराओं के प्रति अपनी निष्ठा को और अधिक प्रखरता से साबित करना होगा। केवल जय श्री राम के नारे से बंगाल नहीं जीता जा सकता। यहाँ के लोगों के मन में महाप्रभु चैतन्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद और रबींद्रनाथ टैगोर के प्रति जो अगाध श्रद्धा है। सुभाष चंद्र बोस उनके आदर्श हैं। इन सब को उन्हें अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाना होगा। जब तक बंगाल का सामान्य नागरिक यह महसूस नहीं करेगा कि भाजपा उसकी संस्कृति की संरक्षक है, तब तक पूर्ण विश्वास हासिल करना असंभव है।

घुंसपेठियों के लिए महफूज पश्चिमी बंगाल से बाहरी देशों के अवैध प्रवासियों को रोकना भी एक चुनौती होगी। हालांकि चुनाव आयोग की सख्ती और बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती से इस अवैध घुसपैंठियों के हौसले काफी कमजोर हैं।इन्हें पूरी तरह तोड़ना होगा ।अच्छा यह है कि कभी सत्ताकाकेंद्र बिदूं रही माकपा अब पूरी तरह हाशिए पर चली गई वरन कभी उसकी पश्चिमी बंगाल में वही हालत थी तो वहां आज टीएमसी की हैं। आर्थिक मोर्चे पर बंगाल आज एक बड़े संकट से गुजर रहा है। उद्योगों का पलायन और युवाओं का रोजगार के लिए दूसरे राज्यों की ओर रुख करना एक कड़वी सच्चाई है। भाजपा को 'सोनार बांग्ला' के सपने को हकीकत में बदलने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप देना होगा। सिंडिकेट राज को खत्म करना केवल पुलिसिया कार्रवाई से संभव नहीं है, इसके लिए वैकल्पिक रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे। यदि भाजपा बंगाल में बड़े निवेश लाने में सफल रहती है और आईटी से लेकर विनिर्माण क्षेत्र तक में नौकरियां पैदा करती है, तो टीएमसी का कैडर जो आज केवल मजबूरी या लालच में सत्ता से चिपका है, वह धीरे-धीरे बिखरने लगेगा।

भाजपा के लिए एक और बड़ी चुनौती राज्य के जनसांख्यिकीय समीकरण हैं। बंगाल की राजनीति में ध्रुवीकरण एक सच्चाई है, लेकिन एक स्थिर सरकार चलाने के लिए उसे समाज के सभी वर्गों का विश्वास जीतना होगा। टीएमसी का आधार केवल गुंडागर्दी नहीं, बल्कि उनकी विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं भी हैं, जैसे 'लक्ष्मी भंडार' या 'कन्याश्री'। इन योजनाओं ने महिलाओं के एक बड़े वर्ग को ममता बनर्जी के साथ जोड़ा है। भाजपा को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह न केवल इन योजनाओं का बेहतर विकल्प दे, बल्कि प्रशासन में पारदर्शिता लाकर भ्रष्टाचार को पूरी तरह समाप्त करे।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह टीएमसी के 'भय के तंत्र' को 'भरोसे के तंत्र' में कितनी जल्दी बदल पाती है। संगठन बनाना ईट-पत्थर जोड़ने जैसा नहीं है, बल्कि यह लोगों के दिलों में जगह बनाने जैसा है। टीएमसी के घर पर कब्जा करने का मतलब उनके कार्यालयों पर झंडा फहराना नहीं है, बल्कि उस आम बंगाली के मन से डर निकालना है जो आज अपनी राय जाहिर करने से कतराता है। भाजपा को एक ऐसी समावेशी राजनीति का परिचय देना होगा जहाँ विकास का लाभ कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, बिना किसी कट-मनी या राजनीतिक भेदभाव के। यदि भाजपा इस परीक्षा में सफल होती है, तभी वह बंगाल में एक स्थायी और सार्थक परिवर्तन ला पाएगी, अन्यथा सत्ता का परिवर्तन केवल चेहरों का बदलाव बनकर रह जाएगा, व्यवस्था का नहीं। बंगाल की मिट्टी को शांति और प्रगति की प्यास है, और जो दल इस प्यास को बुझाएगा, वही सही मायने में बंगाल का भाग्य विधाता बनेगा।

अशोक मधुप

न्यायपालिका में बढ़ता मुकदमों का बोझः न्याय में देरी, अन्याय से कम नहीं

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

भारत की न्यायपालिका लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है, लेकिन आज यह खुद भारी बोझ तले दबी हुई है। मुकदमों का अंबार लगा है और लोगों को तारीख पर तारीख मिल रही है। ऐसा नहीं है कि इसे पटरी पर नहीं लाया जा सके लेकिन बिना प्रयास किए ऐसा संभव नहीं है। इसमें कई कारण हैं जिनको यदि ठीक कर दिया जाए तो व्यवस्था में सुधार किया जा सकता है। हालात इतने गंभीर हैं कि लोगों को न्याय मिलने में उनकी पूरी जिंदगी निकल जाती है। विचाराधीन आंकड़ों पर नजर डालें तो अप्रैल 2026 तक, भारत की अदालतों में 5 करोड़ से ज्यादा केस लंबित हैं। इनमें से 70% से अधिक केस जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में हैं।

यदि हम आंकड़ों की बात करें तो भारत में प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 21 जज हैं। जबकि लॉ कमीशन की 1987 की सिफारिश 50 जज प्रति 10 लाख की थी। विकसित देशों में यह आंकड़ा 50-150 तक है। जजों की संख्या आधी से भी कम है, और यही कारण है कि हमें न्याय मिलने में देरी पर देरी होती रहती है और विचाराधीन मामलों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। एक सिविल केस निपटाने में औसतन 10 साल से ज्यादा लग जाते हैं। कई फौजदारी केस 15-20 साल तक खिंचते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में 34 स्वीकृत पदों में से अक्सर 2-4 खाली रहते हैं। हाई कोर्ट में 25% और जिला अदालतों में 20% से ज्यादा पद खाली हैं। भर्ती प्रक्रिया बहुत धीमी है। कई निचली अदालतों में कोर्ट रूम, स्टाफ और तकनीक की भारी कमी है। ए आई के जमाने में जहां दुनियां नई नई तकनीक पर निर्भर हो रही है वहीं भारत में 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक 20% कोर्ट रूम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा तक नहीं थी। हम वर्षों से देखते आ रहे हैं कि करीब 50% केसों में सरकार खुद एक पक्ष है। जमीन अधिग्रहण, सर्विस मैटर, टैक्स विवाद में सरकारी अपीलें सबसे ज्यादा हैं। कई बार हार तय होने पर भी अपील की जाती है। CPC, CrPC जैसी प्रक्रियाएं जटिल हैं। वकील तारीख लेने को रणनीति की तरह इस्तेमाल करते हैं। एक गवाह के बयान में ही कई-कई तारीख लग जाती हैं। निचली अदालतों में सजा की दर कम है, इसलिए हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अपीलों का बोझ बढ़ता जाता है। सही मायने में न्याय में देरी भी अन्याय से कम नहीं है। जब पीड़ित को 20 साल बाद इंसाफ मिले तो उसका क्या मतलब ही क्या रह जाता है। हमारी जेलें भी भरी हुई हैं उसका मुख्य कारण है कि जेलों में 75% से ज्यादा कैदी अंडरट्रायल हैं। यानी दोषी साबित होने से पहले ही सालों जेल काट रहे हैं। मुकदमों में फंसे होने से व्यापार, निवेश और प्रोजेक्ट रुकते हैं। जब सिस्टम से उम्मीद टूटती है तो लोग कोर्ट से बाहर समझौता या दबंगई का सहारा लेते हैं।

इसलिए हमें इसके समाधान की राह पकड़नी होगी। लॉ कमीशन की सिफारिश माने बिना काम नहीं चलेगा। ऑल इंडिया ज्यूडिशियल सर्विस शुरू करना एक विकल्प है। ई-कोर्ट, वर्चुअल हियरिंग, ए आई तकनीकी से केस छांटना। कोविड के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से काफी केस निपटे, इसे स्थायी करना होगा। मीडिएशन, लोक अदालत, आर्बिट्रेशन को बढ़ावा देना होगा जिससे छोटे केस अदालत पहुंचे ही नहीं। जिससे मुकदमों का बोझ बढ़ने से बचा जा सके। फास्ट ट्रैक कोर्ट का स्तेमाल हमें ज्यादा से ज्यादा करना होगा। महिला, बच्चे, सीनियर सिटिजन और जघन्य अपराधों के लिए विशेष कोर्ट और समय सीमा तय हो। मुकदमों का बोझ सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है। हर लंबित फाइल के पीछे एक इंसान, एक परिवार और उम्मीदें खड़ी हैं। न्यायपालिका को जज, बजट और तकनीक - तीनों चाहिए। साथ ही वकीलों, सरकार और नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। वरना देर से मिला न्याय, न्याय नहीं रह जाता।

(मेक इन इंडिया) स्वावलंबन एवं स्व-रोजगार बेहतर विकल्प

[युवा ऊर्जा से राष्ट्र का विकास संभव।]

आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में लड्डू प्रसाद के लिए घी खरीद में सामने आया कथित घोटाला केवल एक प्रशासनिक अनियमितता का मामला नहीं है बल्कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, धार्मिक संस्थानों की विश्वसनीयता और सार्वजनिक व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होता बल्कि वह विश्वास, परंपरा और भावनात्मक जुड़ाव का केंद्र होता है। ऐसे में जब प्रसाद जैसी पवित्र मानी जाने वाली वस्तु में मिलावट की आशंका सामने आती है तो उसका असर सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आस्था की नींव को भी हिला देता है

जांच समिति की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि लगभग सत्तर लाख किलोग्राम घी बिना अनिवार्य गुणवत्ता परीक्षण के खरीदा गया और कई मामलों में लैब रिपोर्ट आने से पहले ही उसका उपयोग प्रसाद बनाने में कर लिया गया। यह स्थिति किसी एक स्तर की चूक नहीं बल्कि एक पूरी व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है जिसमें नियमों की अनदेखी, निगरानी की कमी और संभावित मिलीभगत शामिल हो सकती है। जब किसी धार्मिक संस्था में इतनी बड़ी मात्रा में सामग्री का उपयोग हो रहा हो तो उसके हर चरण पर सख्त नियंत्रण और पारदर्शिता अपेक्षित होती है

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि अगस्त 2022 की लैब जांच में सैंपलों में सिटोस्टेरॉल की मौजूदगी पाई गई जो वनस्पति तेल की मिलावट का संकेत माना जाता है। इसके बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं की गई और सप्लायर्स को ब्लैकलिस्ट करने जैसे कदम नहीं उठाए गए। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब मिलावट के संकेत स्पष्ट थे तो जिम्मेदार अधिकारियों ने तत्काल कदम क्यों नहीं उठाए। इससे यह संदेह गहराता है कि कहीं न कहीं प्रणाली में गंभीर खामियां या जानबूझकर की गई लापरवाही मौजूद थी

खरीद प्रक्रिया में भी कई ऐसी बातें सामने आई जो चिंता बढ़ाती हैं। असामान्य रूप से कम बोली स्वीकार करना, नीलामी के बाद अनौपचारिक बातचीत के जरिए कीमत कम करने की अनुमति देना और गुणवत्ता मानकों की अनदेखी करना यह दर्शाता है कि आर्थिक लाभ को प्राथमिकता दी गई जबकि गुणवत्ता और सुरक्षा को नजरअंदाज किया गया। शुद्ध घी की कीमत और बाजार की वास्तविकता को देखते हुए अत्यधिक कम कीमत पर सप्लाई होना अपने आप में संदेह पैदा करता है

इस पूरे मामले में एक संगठित नेटवर्क के काम करने की आशंका भी जताई गई है जिसमें सप्लायर, बिचौलिये और कुछ संस्थागत तत्व शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार एक प्रमुख सप्लायर ने वनस्पति तेल और अन्य एडिटिव्स का उपयोग कर मिलावटी घी तैयार किया और अयोग्य घोषित होने के बाद भी वह अन्य माध्यमों से सप्लाई जारी रखने में सफल रहा। यह स्थिति दर्शाती है कि निगरानी प्रणाली में गंभीर कमजोरियां थीं और नियमों को लागू करने में इच्छाशक्ति की कमी थी

पूर्व अधिकारियों और खरीद समिति की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं। रिपोर्ट में आरोप लगाए गए हैं कि टेंडर नियमों को कमजोर किया गया और मिलावट की पुष्टि के बावजूद सख्त कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि संबंधित पक्षों का कहना है कि सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए गए और नियमों के तहत ही प्रक्रिया अपनाई गई। यह विवाद अपने आप में इस बात का संकेत है कि पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर स्पष्टता का अभाव था

यह मुद्दा केवल एक राज्य या एक मंदिर तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे देश के धार्मिक संस्थानों के लिए एक चेतावनी है। भारत में मंदिरों में प्रसाद वितरण की परंपरा बहुत पुरानी है और यह श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती है। ऐसे में यदि कहीं भी गुणवत्ता से समझौता होता है तो उसका प्रभाव व्यापक स्तर पर पड़ता है

पहले भी कुछ मामलों में प्रसाद या भोग की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ चुके हैं। उदाहरण के तौर पर उत्तर भारत के कुछ मंदिरों में समय समय पर नकली घी या निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री के उपयोग की शिकायतें सामने आई हैं जिनमें स्थानीय स्तर पर जांच और कार्रवाई की गई। हालांकि ये मामले इतने बड़े पैमाने पर नहीं थे लेकिन उन्होंने यह संकेत जरूर दिया कि धार्मिक संस्थानों में भी गुणवत्ता नियंत्रण की मजबूत व्यवस्था की आवश्यकता है।

इस तरह की घटनाएं यह भी दर्शाती हैं कि केवल धार्मिक आस्था के भरोसे व्यवस्था को नहीं छोड़ा जा सकता। आधुनिक समय में जब आपूर्ति श्रृंखला जटिल हो गई है और बड़े स्तर पर सामग्री की खरीद होती है तो वैज्ञानिक परीक्षण, डिजिटल ट्रैकिंग और स्वतंत्र ऑडिट जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य हो जाती हैं। यदि इन प्रक्रियाओं को सही ढंग से लागू किया जाए तो मिलावट जैसी समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है

सरकार और संबंधित संस्थाओं के लिए यह जरूरी है कि वे इस मामले को केवल एक आरोप या राजनीतिक विवाद के रूप में न देखें बल्कि इसे एक सुधार के अवसर के रूप में लें। यदि जांच में दोष सिद्ध होते हैं तो जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही खरीद प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने, गुणवत्ता परीक्षण को अनिवार्य और समयबद्ध करने तथा निगरानी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

श्रद्धालुओं के दृष्टिकोण से यह घटना बेहद संवेदनशील है। मंदिर में मिलने वाला प्रसाद केवल भोजन नहीं बल्कि आशीर्वाद का प्रतीक होता है। लोग इसे श्रद्धा के साथ ग्रहण करते हैं और इसे पवित्र मानते हैं। ऐसे में यदि उसमें मिलावट की बात सामने आती है तो यह विश्वास को गहरा आघात पहुंचाती है। विश्वास एक बार टूट जाए तो उसे पुनः स्थापित करना बेहद कठिन होता है

इस पूरे प्रकरण से एक महत्वपूर्ण सीख यह मिलती है कि धार्मिक संस्थानों में भी पारदर्शिता, जवाबदेही और आधुनिक प्रबंधन प्रणालियों का समावेश आवश्यक है। केवल परंपरा के आधार पर व्यवस्था को चलाना अब पर्याप्त नहीं है। बदलते समय के साथ संस्थानों को भी अपने कामकाज में सुधार लाना होगा ताकि वे श्रद्धालुओं के विश्वास पर खरे उतर सकें। यह मामला केवल घी की गुणवत्ता या खरीद प्रक्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि यह उस व्यापक प्रश्न से जुड़ा है कि क्या हम अपनी आस्था से जुड़े संस्थानों में भी उतनी ही सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित कर पा रहे हैं जितनी अन्य सार्वजनिक संस्थानों में अपेक्षित होती है। यदि इस प्रश्न का उत्तर नकारात्मक है तो यह समय है। कि हम इससे सीख लें और आवश्यक सुधारों की दिशा में ठोस कदम उठाएं ताकि भविष्य में आस्था और विश्वास दोनों सुरक्षित रह सकें।

संजीव ठाकुर

बढ़ती महंगाई से बेहाल आम जनजीवन को राहत की आस

अंतराष्ट्रीय परिस्थितियों के प्रभाव से आज पूरी दुनिया महंगाई की मार झेल रही है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थिति ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है, जिसका सीधा असर तेल और गैस की कीमतों पर पड़ा है। भारत, जो अपनी जरूरत का लगभग 80 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है, स्वाभाविक रूप से इस संकट से प्रभावित हुआ है। भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि देश की बड़ी आबादी आज भी सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी नीतियों पर निर्भर है। ऐसे में महंगाई का सीधा असर आम आदमी, विशेषकर मध्यम और गरीब वर्ग के जीवन पर पड़ता है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि से परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे खाद्य पदार्थों से लेकर दैनिक उपयोग की वस्तुओं तक सब कुछ महंगा हो जाता है। खाड़ी क्षेत्र, जहां से विश्व के अधिकांश देशों में तेल और गैस की आपूर्ति होती है, लंबे समय से भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र रहा है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में, खासकर होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति में बाधा की आशंका ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। यदि यह संकट लंबा खिंचता है, तो वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट और गहराएगा, जिससे महंगाई और बढ़ेगी। हाल ही में भारत में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों और छोटे (5 किलोग्राम) गैस सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। होटल, ढाबा और छोटे व्यवसाय चलाने वाले लोगों के लिए यह अतिरिक्त बोझ है, जिसे वे अंततः उपभोक्ताओं पर डालने को मजबूर होंगे। इसका असर उन लाखों छात्रों और श्रमिकों पर पड़ेगा, जो सस्ते भोजन और सीमित संसाधनों के सहारे जीवन यापन करते हैं। यह सही है कि वैश्विक कारणों से उत्पन्न महंगाई को पूरी तरह नियंत्रित करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं होता, विशेषकर तब जब देश की बड़ी आबादी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर निर्भर हो। इसके बावजूद सरकार ने अब तक आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने और महंगाई के प्रभाव को सीमित करने के प्रयास किए हैं, जो सराहनीय हैं। हालांकि, राजनीतिक परिदृश्य में अक्सर महंगाई जैसे मुद्दों का उपयोग आरोप-प्रत्यारोप के लिए किया जाता है। इससे न केवल जनता भ्रमित होती है, बल्कि वास्तविक समाधान पर ध्यान भी कम हो जाता है। आवश्यकता इस बात की है कि सभी पक्ष मिलकर रचनात्मक सुझाव दें और देशहित में काम करें। महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार को संतुलित नीति अपनानी होगी। आवश्यक वस्तुओं–जैसे खाद्यान्न और ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए राहत उपाय किए जा सकते हैं, वहीं विलासिता की वस्तुओं पर कर बढ़ाकर राजस्व संतुलन बनाया जा सकता है। इससे आम जनता को राहत मिलेगी और आर्थिक संतुलन भी बना रहेगा। अतीत में देखा गया है कि महंगाई, विशेषकर खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, सरकारों के लिए बड़ी राजनीतिक चुनौती बन जाती है। ऐसे में यह आवश्यक है कि केंद्र सरकार समय रहते प्रभावी कदम उठाए, ताकि बढ़ती महंगाई से जूझ रहे आम, गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत मिल सके। अंततः, देश की जनता को उम्मीद है कि सरकार उनके जीवन से जुड़े आवश्यक खर्चों को नियंत्रित रखने के लिए ठोस और संवेदनशील कदम उठाएगी, ताकि महंगाई की मार से राहत मिल सके और जनजीवन संतुलित रह सके। **अरविंद रावल**

कविता

संजीव-नी

सुकून का नन्हा सा द्वार।

आशाएँ कभी शोर नहीं करतीं,
वे धीरे से आंगन पर उतरती है
धूप का एक छोटा सा बिम्ब
कमरे में बिना ब
कहे पसर जाता ।

उदासी का अपना एक पहलू,
गहरी बिना चंदा की निशा,
उसी में कहीं
बहुत हल्का सा उजाला
शायद वही आशा है
जो हार नहीं मानता।

खुशियों के पल
बहुत विशाल नहीं
वे इतने छोटे होते
अक्सर हमारे पास
और हम उन्हें ढूँढ़ते
किसी दूर आकाश में।

कभी एक मुस्कान
पूरी थकान उड़ा देती,
एक शब्द
मन के बर्फ को पिघलाते ।

तमस हटता नहीं एकबारगी
वह थोड़ा-थोड़ा पीछे जाता ,
जैसे कोई संकोची बच्चा
भीड़ को दूर से निहारता ।

और तब
हम महसूस करते
जिंदगी उतनी उदास नहीं

जितना हमने मान लिया ,
उसमें कुछ उजाले पहले से
आँखें बंद किए मौजूद हैं।

आशाएँ
दरअसल दरवाज़ा नहीं खोलतीं,
वे बस इतना करती
हमें याद दिलाती
यह सुकुन का नन्हा द्वार ।

संजीव ठाकुर

लड्डू प्रसाद में मिलावट का सचः आस्था, व्यवस्था और जवाबदेही पर गहरा सवाल

स्वयं की क्षमता, शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानना आज के नव युवकों के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्वयं के विकास से तात्पर्य खुद के लिए अपनी क्षमता एवं योग्यता के अनुसार रोजगार की तलाश राष्ट्रीय हित में महत्वपूर्ण योगदान भी हो सकता है। भारत की विशाल आबादी के हिसाब से भारत नौजवानों का देश है और भारत सरकार के लिए इतने युवा लोगों के लिए नौकरी उपलब्ध कराना संभव भी नहीं है कि सभी युवकों के लिए समुचित नौकरी का प्रबंध या इंतजाम कर सके। ऐसे में पढ़े-लिखे नौजवानों का यह महती दायित्व बन जाता है कि वह स्वयं की क्षमता को पहचान कर मेक इन इंडिया या स्वावलंबी होने का भरसक प्रयास करें। स्वयं की क्षमता को पहचानने वाला व्यक्ति समाज में एक आदर्श बनकर उभरता है और उसकी प्रसिद्धि समाज में स्वयं हो जाती है। युवक स्वयं का रोजगार बनाकर न सिर्फ खुद की बेरोजगारी दूर करता है, बल्कि वह दूसरों के लिए भी रोजगार का साधन बन जाता है। यह राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक समीचीन तथा राष्ट्रीय विकास के लिए एक अच्छे सूचक के रूप में सामने आता है। स्वयं अपनी क्षमताओं को पहचानना एवं अपने अंदर के उद्यमी को रोजगार के लिए उपयोग में लाना मनुष्य का एक तरह का अलंकार या आभूषण ही है जो मनुष्य के लिए सुखी होने का बड़ा स्रोत है। वैसे भी नौकरी करके युवा एक तरह से परतंत्र, पराधीन हो जाता है और अपनी क्षमताओं का खुलकर प्रयोग नहीं कर पाता यही कारण है कि राष्ट्र के समग्र विकास में उसकी क्षमताओं का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है।राष्ट्रीय योजना मेक इन इंडिया के अंतर्गत आव्हान किया गया है कि नौजवानों को अपनी शिक्षा,तकनीकी शिक्षा एवं स्किल का उपयोग कर भारत देश के लिए हर तरह के आवश्यक वस्तुओं का स्वयं निर्माण करें एवं दूसरे नौजवानों के लिए आदर्श स्थापित करें जिससे संपूर्ण देश स्वावलंबी बने। स्वयं की क्षमताओं को पहचानने वाला व्यक्ति स्वतंत्र ,स्वाभिमानी होकर स्वयं पर पूर्ण विश्वास करने वाला आत्मविश्वासी व्यक्ति होता है। ऐसे में भविष्य में राहों में जितनी भी मुश्किल है या कठिनाई आती है उसका वह अपने ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करने से नहीं चूकता है। अपनी क्षमताओं को पहचानने के कारण व्यक्ति अत्यंत सरल, सहज एवं आत्मविश्वासी होकर दूसरों की मदद करने से भी पीछे नहीं हटता। स्वयं का रोजगार तलाशने या अपने लिए कोई उद्यम बनाने में युवाओं में जो ज्ञान प्राप्त होता है फल स्वरूप वह युवा अत्यंत त्यागी तथा समाज के लिए सेवा भाव भी रखने वाला होता है। स्वावलंबन से दूसरों पर निर्भर होने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती एवं अपने ही ज्ञान तथा क्षमता से वह उन्नति के सोपान चढ़ते जाता है, एवं राष्ट्र के लिए एक धरोहर की तरह होता है। खुद की क्षमता पहचान कर अपना उद्यम डालने से न सिर्फ समाज में विकास होता बल्कि देश में भी विकास के योगदान में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होता है।

ऐतिहासिक तौर पर भी खुद की क्षमता पहचानने एवं अपनी उर्जा को सही दिशा में लगाने के कारण बड़े-बड़े महापुरुषों का जन्म हुआ है। जितने भी बड़े महापुरुष हुए हैं, वे पैदाइशी महापुरुष नहीं थे उन्होंने अपनी क्षमता, शक्ति एवं ज्ञान को पहचान कर उसमें समुचित एवं निरंतर परिश्रम कर एक नए मुकाम को हासिल किया था और तब ही वे महापुरुषों की श्रेणी में शामिल हुए हैं। पौराणिक तौर पर प्रभु श्री राम ने वन गमन कर रावण का वध किया और एक धार्मिक इतिहास बनाया। अपनी क्षमताओं को पहचान कर उसे सही दिशा देने का सबसे बड़ा उदाहरण एकलव्य है जिसने जंगल में धनुर्विद्या लगातार अभ्यास करके अर्जुन की तरह बहुत बड़े धनुर्विद्या के शूरवीर बने। कोलंबस ने भी अपनी शक्ति क्षमता को पहचानते अमेरिका की खोज की और गरीब मां बाप की संतान अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अमेरिका का सर्वोच्च पद प्राप्त किया। राइट ब्रदर्स ने अपने ज्ञान का समुचित विकास एवं उपयोग कर हवाई जहाज की खोज की।

खुद की शक्ति एवं ऊर्जा के विकास और स्वावलंबन का सबसे बड़े उदाहरण महात्मा गांधी रहे जिन्होंने ना सिर्फ अपनी क्षमता को पहचाना बल्कि पूरे हिंदुस्तानियों को दिशा दिखा कर स्वतंत्रता का आह्वान कर स्वाधीनता प्राप्त की और महात्मा गांधी के रूप में भारत में स्थापित हुए। खुद की क्षमता एवं शक्ति को पहचानने से व्यक्ति भी महानता की श्रेणी में खड़ा होकर देश के विकास में एक बड़ा सोपान अर्जित करता है। इससे सिर्फ व्यक्ति ही महान नहीं बनता बल्कि देश को भी महान बनाने में उसका योगदान बहुत ज्यादा तथा महत्वपूर्ण होता है। मनुष्य अपनी क्षमताओं को वैसे तो आसानी से पहचान नहीं पाता है लेकिन यदि वह अपनी अंतर शक्ति, विशेषताओं को किसी भी उम्र में भी पहचान कर उसका देश के लिए समुचित उपयोग कर सकता है इसीलिए मेक इन इंडिया के लिए युवकों को अपनी क्षमताओं शक्ति तथा ऊर्जा को पहचान कर नए नए उद्यम लगाकर देश के विकास में सहयोग करना चाहिए। यह एक सकारात्मक चरित्र विकास की प्रथम पंक्ति होती है। इससे मनुष्य में और खासकर युवा वर्ग में निर्भीकता,कठोर श्रम करने की शक्ति एवं संयम जैसी विशेषताओं का प्रादुर्भाव होता है। व्यक्ति समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में चार चांद लग जाते हैं। उन्नत शिक्षित परिश्रमी एवं सदाचारी युवाओं से ही कोई राष्ट्र महानता की श्रेणी में पहुंच जाता है।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

2 मई 2026 को जिला विद्यालय कार्यालय पर आयोजित शोक सभा के बाद धरना स्थगित कर दिया गया

लखनऊ। लखनऊ राजधानी में 02 मई, 2026 लखनऊ के पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक एवं वर्तमान में जिला निरीक्षक गोरखपुर डा. अमर कान्त सिंह का आज लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में आकस्मिक निधन हो जाने के कारण आज 2 मई, 2026 को जिला विद्यालय कार्यालय पर आयोजित शोक सभा के बाद धरना स्थगित कर दिया गया। संयुक्त शिक्षा निदेशक, लखनऊ मंडल डा. प्रदीप कुमार से धरना स्थल पर डा. अमरकांत सिंह के निधन की सूचना पाकर जिला संगठन की ओर से प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा. आर.पी. मिश्र, महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा, प्रदेशीय मंत्री डा. आर.के. त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, जिलामंत्री महेश चंद्र ने मेदांता हॉस्पिटल पहुंच कर डा. अमरकांत सिंह को श्रद्धांजलि दी। मेदांता हॉस्पिटल से सायं लगभग 2:30 बजे पदाधिकारियों के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना स्थल पर पहुंचने पर एक शोक सभा हुई तथा उसके बाद धरना स्थगित कर दिया गया। डा. आर.पी. मिश्र प्रादेशिक उपाध्यक्ष/प्रवक्ता एवं संरक्षक लखनऊ, डा. आर.के. त्रिवेदी प्रदेशीय मंत्री, अनिल शर्मा जिलाध्यक्ष, महेश चंद्र जिलामंत्री, आर.पी. सिंह कोषाध्यक्ष आलोक पाठक आय-व्यय निरीक्षक, डा. मीता श्रीवास्तव-सदस्य राज्य कार्यकारिणी आदि उपस्थित रहे।

साहब, पिता के परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज कर आंगनबाड़ी सहायिका ले रही सरकारी योजनाओं का लाभ

लालगंज (रायबरेली)। तहसील सभागार में शनिवार को तहसीलदार की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। जहां फर्जी तरीके से परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज कर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का आरोप लगा है। सूदन खेड़ा मोहल्ला निवासी सुनीता देवी ने शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उन्नाव जनपद के पुरवा तहसील क्षेत्र अंतर्गत धनोखर मवई गांव की रहने वाली सतरूपा ने कथित रूप से नगर पंचायत कर्मियों की मिलीभगत से उनके पिता के परिवार रजिस्टर में अपना नाम दर्ज करा लिया। आरोप है कि इसी आधार पर वह विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रही है। पीड़िता के मुताबिक आरोपी महिला मूल रूप से उन्नाव की निवासी है और वहीं आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर कार्यरत है। ऐसे में दूसरे परिवार के रजिस्टर में नाम दर्ज कराना गंभीर अनियमितता को दर्शाता है। सुनीता देवी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है। इस प्रकार संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 24 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि शेष मामलों के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों की टीम गठित कर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सीओ अमित सिंह, नायब तहसीलदार ऋतुराज नागर, एसडीओ शिवम वर्मा, मनोज दीक्षित, उमाकांत तिवारी, प्रियम पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

महमूदाबाद-सीतापुर- स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बहरौली में शनिवार की सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक 24 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका हुआ पाया गया। घटना के बाद से क्षेत्र में हड़कंप व्याप्त है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने साक्ष्य संकलन की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। ?मृतक की पहचान महेंद्र कुमार (24 वर्ष) पुत्र जयकरण सिंह वर्मा, निवासी ग्राम बहरौली के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महेंद्र अविवाहित था और स्थानीय प्लाईवुड फैक्ट्री में श्रमिक के रूप में कार्यरत था। परिजनों ने बताया कि शनिवार प्रातः वह नित्य कर्म हेतु घर से बाहर निकला था, किंतु काफी देर तक वापस न लौटने पर जब खोजबीन की गई, तो गांव से कुछ दूरी पर स्थित एक खेत में उसका शव पेड़ से लटका मिला। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। विशेषज्ञों की टीम ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है। भूमि विवाद की आशंका के चलते परिजनों ने इस मामले में हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए इसे भूमि विवाद से जोड़कर देखा है। परिजनों का आरोप है कि मृतक का काफी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। विगत तीन दिन पूर्व भी इसी विवाद को लेकर दो पक्षों के मध्य तीखी नोकझोंक हुई थी। उक्त विवाद के संदर्भ में पुलिस ने पूर्व में कुछ संदिग्धों को पूछताछ हेतु तलब भी किया था।

पश्चिम बंगाल आज से भयमुक्त और विकास के भरोसे से युक्त हुआ... चुनाव में प्रचंड जीत पर PM मोदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

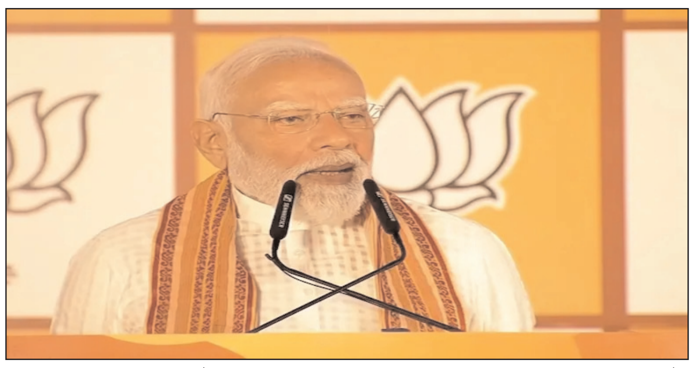

पश्चिम बंगाल में प्रचंड जीत मिलने के बाद आज पीएम मोदी बीजेपी मुख्यालय पहुंचे तो उनका भव्य स्वागत हुआ. कार्यकर्ता मोदी-मोदी से पूरे बीजेपी मुख्यालय को गुंजायमान किए हुए थी. पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं के सामने घोषणा की है कि बंगाल की नई सरकार सबसे पहली कैबिनेट मीटिंग में आयुष्मान योजना लागू करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीजेपी बंगाल में भयमुक्त वातावरण बनाकर दिखाएगी। पीएम ने कहा, 'यह दिन ऐतिहासिक है, अभूतपूर्व है; मैं सभी भाजपा कार्यकर्ताओं की खुशी में शामिल हूं.यह लोकतंत्र में विश्वास प्रदर्शित करने का दिन है। एक नया इतिहास रचा गया, नितिन नवीन के भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद पहला विधानसभा चुनाव; भाजपा की जीत में उनका मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा।' प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, 'इस जीत के साथ वंदे मातरम् के 150वें वर्ष में भारत माता को और बंकिम जी को बंगाल के लोगों ने अपना सादर नमन भेजा है. योगी राज अरबिंदो को भी मतदाताओं ने ऐतिहासिक श्रद्धांजलि दी है. बंगाल में हमारे कितने ही कार्यकर्ताओं ने अपना जीवन इस जीत के लिए समर्पित किया, बीजेपी की कितनी महिला कार्यकर्ताओं को तमाम अत्याचार सहने पड़े।

केरल में और बंगाल में बीजेपी के हर कार्यकर्ता को कितनी मुसीबतें झेलनी पड़ी थी। उनपर कितने जुर्म हुए हैं, कितने अत्याचार हुए हैं. आज बंगाल में बीजेपी की सफलता का श्रेय ऐसे सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को देता हूं।' पीएम मोदी ने कहा, 'मैं ये जीत बंगाल की जनता को समर्पित करता हूं. अभी 4 मई की यह शाम भले ही ढल रही हो लेकिन बंगाल की पावन धरा पर आज एक नया सूर्योदय हुआ है. एक ऐसा सवेरा जिसका इंतजार पीढ़ियों ने किया है। भाजपा ने जितनी सीटें जीती, वो महज एक चुनावी आंकड़ा नहीं है, ये उस अडिग विश्वास की हुंकार है, जिसे डर तुष्टीकरण और हिंसा की राजनीति को जड़ से उखाड़ फेंका है। आज से बंगाल के भविष्य की एक ऐसी यात्रा शुरू हो रही है जहां विकास अटूट विश्वास और नई उम्मीदें कदम से कदम मिलाकर चलेगी। मैं आज हर बंगालवासी को हर बंगालवासी को भरोसा देता हूं कि बंगाल के बेहतर भविष्य के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी।'

मायावती को सता रही महंगाई की चिंता, सरकार को दे दी नसीहत

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कमर्शियल (व्यावसायिक) सिलिंडर की कीमतें बढ़ने पर चिंता जताई है। बसपा सुप्रीमो ने महंगाई बढ़ने की आशंका जताते हुए केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के चुनाव के दौरान कीमतें नियंत्रण में रखने को अपनाई गई नीति को जारी करने की मांग की है। मायावती ने शनिवार को एक्स पर लिखा,'कमर्शियल सिलिंडर की भारी किल्लत के बीच उसकी कीमत में एक मुश्त 993 रुपयों की वृद्धि और उसके लोगों पर पड़ रहे प्रभाव की खबरें सुर्खियों में हैं। लोग इस आशंका में बेचैन हैं कि जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल व डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें भी बढ़ेंगी। इसका वास्तविक कारण चाहे अमेरिका-इजराइल का ईरान पर युद्ध हो या कुछ और, सरकार ने जिस तरह राज्यों के विधान सभा चुनाव के मद्देनजर पेट्रोलियम पदार्थों आदि की कीमत को काफी कुछ नियंत्रण में रखा, जनहित में उस नीति को वर्तमान में भी जारी रखना चाहिए।'उन्होंने आगे लिखा,'पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने के कारण पहले से ही महंगाई से त्रस्त गरीब व मध्यम वर्गों के लोगों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, इसका आकलन करके ही सरकार अपनी नीतियों का निर्धारण करना करे।'

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

● दो गंभीर रूप से घायल, देर से पहुंची एम्बुलेंस पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली): इंहौना-महराजगंज रोड पर शनिवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मोन गांव के पास रात करीब 9 बजे हुआ, जब एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने तीन मोटरसाइकिल सवारों को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे।

स्थानीय लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस सेवा को फोन किया, लेकिन करीब एक घंटे तक एम्बुलेंस के न पहुंचने से लोगों में आक्रोश फैल गया। हालात गंभीर होते देख ग्रामीणों और पुलिस ने खुद ही घायलों को मोटरसाइकिल और पुलिस वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। सीएचसी में मौजूद चिकित्सक डॉ. एस. के. भरद्वाज और उनकी टीम ने जांच के बाद अखिलेश (पुत्र रामदेव, निवासी पूरे रिशाल मजरे कुशमहुरा) को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल संजय सिंह (25 वर्ष, निवासी नारायनपुर मोन) और सोनू (28 वर्ष, निवासी मोन) की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी वाहन की पहचान की जा सके।

एम्बुलेंस सेवा पर उठे सवाल

हादसे के बाद समय पर एम्बुलेंस न पहुंचने से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते चिकित्सा सहायता मिल जाती, तो शायद युवक की जान बचाई जा सकती थी। इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं की बदहाल स्थिति को उजागर कर दिया है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर बेकाबू ट्रक ने कार को मारी टक्कर

● बैंक कर्मी दंपति व मासूम घायल,कार के परखच्चे उड़ गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। गंगा एक्सप्रेसवे पर शनिवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। कटघर के पास एक बेकाबू डंपर ने कार में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार बैंक कर्मी दंपति और उनका बेटा घायल हो गया। घायलों को तुरंत एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। महिला और बच्चे की हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जौनपुर के केराकत निवासी रविंद्र कुमार यादव पंजाब नेशनल बैंक में कर्मचारी हैं। वर्तमान में उनकी तैनाती दिल्ली में है। वह पत्नी श्वेता और बेटे सहर्ष के साथ घर जौनपुर जा रहे थे। घायल श्वेता ने बताया कि कटघर के पास कार खड़ी कर वह कुछ देर के लिए रुके थे। बेटा पीछे की सीट पर बैठा था। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है।

महर्षि नारद जयंती पर मेधावी छात्र छात्राएं सम्मानित

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के आजाद नगर मोहल्ला स्थित एक विद्यालय परिसर में महर्षि नारद की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महर्षि नारद के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। विद्यालय के प्रबंध निदेशक दीप प्रकाश शुक्ला के नेतृत्व में शिक्षकों ने नमन किया। इसके बाद शिक्षकों ने बच्चों को महर्षि नारद के जीवन और उनके आदर्शों के बारे में बताया। शिक्षकों ने कहा कि महर्षि नारद ज्ञान और भक्ति के प्रतीक थे। उनके जीवन से हमें कर्तव्य और समर्पण की सीख मिलती है। प्रबंध निदेशक ने बच्चों को इन आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इस मौके पर काजल भारती, अदिति सोनकर, कृष्णा, विमल कुमार, रश्मि सहित अन्य शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में 42 शिकायतों में 7 का मौके पर हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। तहसील सभागार महराजगंज में शनिवार को 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन एडीएम (प्रशासन) सिद्धार्थ एवं अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और संबंधित अधिकारियों को त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस के दौरान कुल 42 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें पुलिस विभाग की 14, राजस्व विभाग की 11, विकास विभाग की 4 तथा अन्य विभागों की 13 शिकायतें शामिल रहीं। इनमें से मौके पर केवल 7 शिकायतों का निस्तारण किया जा सका, जबकि शेष शिकायतों को समयबद्ध समाधान के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया। इसी दौरान एक जमीन विवाद का मामला भी सामने आया, जिसमें मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए। पीड़ित राजकुमार पुत्र राजाराम, निवासी ग्राम पूरे हनुमंत सिंह मजरे जेवना, थाना चंदापुर, तहसील महराजगंज ने शिकायत दर्ज कराकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि वह और विपक्षी पक्ष आपस में भाई हैं तथा जमीन का अभी तक बंटवारा नहीं हुआ है। आरोप है कि विपक्षी जबरन जमीन पर कब्जा कर मकान निर्माण करा रहे हैं और प्रार्थी के हिस्से की जमीन पर भी निर्माण किया जा रहा है।

पीड़ित का कहना है कि विरोध करने पर विपक्षी पक्ष द्वारा गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। साथ ही सोने-चांदी के सामान और पैसे की मांग भी की जा रही है। पीड़ित ने यह भी बताया कि पहले पुलिस द्वारा निर्माण कार्य रुकवाया गया था, लेकिन इसके बावजूद दोबारा निर्माण शुरू कर दिया गया। प्रार्थी ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर अवैध कब्जा रोका जाए और उसे न्याय दिलाया जाए। एडीएम (प्रशासन) सिद्धार्थ ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों में स्थलीय निरीक्षण कर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह, एसडीएम गौतम सिंह, तहसीलदार मंजुला मिश्रा, खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय कला संगम से सजा शमशेर नगर

● मजदूर दिवस पर भव्य सांस्कृतिक आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद के रामपुर मथुरा ब्लॉक अंतर्गत शमशेर नगर स्थित कमला देवी इंटरनेशनल स्कूल में मजदूर दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं यादगार अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक समागम के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका से आए ख्यातिप्राप्त कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को बहुरंगी और जीवंत बना दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान के साथ हुआ, जिसके पश्चात सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला आरंभ हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्रीलंका की सुप्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना कु0 एन.के. समन माली की मनमोहक प्रस्तुति रही। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम तथा श्रीलंका के पारंपरिक राष्ट्रीय नृत्य 'उदारता नटुम' का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी भाव-भंगिमाओं, लयात्मकता और अभिव्यक्ति ने न केवल कला का उच्च स्तर प्रस्तुत किया, बल्कि भारत और श्रीलंका के सांस्कृतिक संबंधों की गहराई को भी दर्शाया। कार्यक्रम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी ने भी सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। बांग्लादेश की चर्चित चित्रकार ब्रिटी दीपा मंडल की उत्कृष्ट पेंटिंग्स ने कला प्रेमियों को विशेष रूप से प्रभावित किया। वहीं श्रीलंका के प्रतिभाशाली कलाकार आर. आविंदा विशान फर्नांडो, चमीरा संपथ तथा ई.एम. महेश चतुरंगा की कलाकृतियों ने प्रदर्शनी को अंतरराष्ट्रीय स्तर की गरिमा प्रदान की। इन चित्रों में सामाजिक सरोकार, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक सृजनात्मकता का प्रभावशाली समावेश देखने को मिला, जिसने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। इस सांस्कृतिक समारोह के मुख्य अतिथि अरुण गुप्त (पूर्व आईजी, पुलिस) ने अपने संबोधन में विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि 'यह विद्यालय मरुस्थल में गुल खिलाने के समान है।' उन्होंने इतने भव्य आयोजन के सफल संचालन के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी और इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। विद्यालय की प्रिंसिपल आरती सारस्वत ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि समाज का सहयोग निरंतर मिलता रहा तो यह संस्थान निश्चित ही भविष्य में एक नई पहचान और इतिहास स्थापित करेगा। उन्होंने शिक्षा और संस्कृति के समन्वय को समाज के समग्र विकास के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. देवेंद्र कश्यप 'निडर' ने श्रीलंका की नृत्यांगना समन माली को अपनी चर्चित कृति 'श्रमवीर' भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अपने काव्यपाठ एवं ओजस्वी वाणी से पूरे वातावरण को ऊर्जा और भावनात्मक ऊष्मा से भर दिया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन भी उनके द्वारा ही किया गया। कार्यक्रम का प्रभावी एवं सुव्यवस्थित मंच संचालन कमला देवी इंटरनेशनल स्कूल के प्रमुख ट्रस्टी डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा 'गुणशेखर' द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, कलाकारों एवं प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए उपस्थित जनसमूह से शिक्षा रूपी यज्ञ में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। इस अवसर पर राममनोरथ अवस्थी, गोविंद शर्मा, दीपक सार्थक सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद्, छात्र-छात्राएं एवं कला प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, सौहार्द और सांस्कृतिक समन्वय का वातावरण बना रहा। यह आयोजन न केवल शमशेर नगर के लिए गौरव का विषय बना, बल्कि इसने यह भी सिद्ध कर दिया कि छोटे नगरों में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किए जा सकते हैं। एक दिन के लिए शमशेर नगर सचमुच अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के रूप में परिवर्तित नजर आया।

जमीन विवाद में युवक पर हमला, फायरिंग का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के झाबर हरदो पट्टी गांव में शनिवार सुबह जमीनी विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने प्रधान प्रतिनिधि और उसके अज्ञात पांच छह साथियों पर फायरिंग का भी आरोप लगाया है। गांव निवासी अमरेंद्र सिंह ऊर्फ गया ने बताया कि वह अपनी पत्नी साधना के साथ बैनामे की जमीन पर बने अपनी गौशाला में पशुओं की देखरेख करने गया था। इसी दौरान दो सफेद कारों से ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अपने पांच छह अज्ञात साथियों के साथ पहुंचे। आरोप है कि सभी ने गाली गलौज शुरू कर दी और मारपीट करने लगे। पीड़ित के मुताबिक आरोपियों ने फायरिंग भी की। इससे उसकी बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अमरेंद्र ने बताया कि जमीन को लेकर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि से पिछले पांच वर्षों से विवाद चल रहा है। पहले भी कई बार मारपीट हो चुकी है। आरोप है कि विरोधी पक्ष निर्माण गिरवाने और गांव छोड़ने का दबाव बनाता रहा है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिंह और प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल का हाल जाना और मामले की जानकारी ली। सीओ ने बताया कि अमरेंद्र सिंह की भूमि से सटी हुई सरकारी भूमि पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था। ग्राम प्रधान की शिकायत पर राजस्व और विकास विभाग की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में कब्जे की जमीन खाली करा कर उस शौचालय का निर्माण प्रस्तावित है। बताया कि कुछ दिन पहले किसी जमीन को लेकर विवाद हुआ था जिस पर अमरेंद्र के विरुद्ध मामले में केस दर्ज किया गया था। अमरेंद्र का आरोप है कि आज जब वह अपने हाते में पशुओं की रखवाली करने गया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट व उन पर फायरिंग की। कहा कि हर पहलू से जांच कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दो स्टूलों को मिलाने से कुर्सी नहीं बनती, केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक के वीडियो पर अखिलेश यादव का तंज

लखनऊ। बुद्ध पूर्णिमा पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक द्वारा बनाए गए वीडियो पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज किया है। सपा प्रमुख ने एक्स पर लिखा,आप दोनों तो (दिखाने को) एक साथ हैं पर जो मुख्य हैं, वो कहां हैं? क्या वो आपसे अलग हैं या आप दोनों को उन्होंने अलग कर दिया है। उन्होंने आप दोनों को उस एक संकरी पगडंडी पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिस पर दो के चलने की जगह भी नहीं हैं। सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि भाजपाइयों से आग्रह है कि धार्मिक स्थलों की मर्यादा बनाए रखें और अपने असत्य वचनों व नकारात्मक राजनीति से धर्मस्थलों की शुचिता भंग न करें। आप ईश्वर को पीठ दिखाकर, उनके पावन प्रांगण में किसी अन्य व्यक्ति की स्तुति करके, ईश्वर के मान को खंडित न करें। ये पाप है। वहीं एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा,'दो स्टूलों को मिलाने से कुर्सी नहीं बनती।'

जल जीवन मिशन की खुदाई के बाद गड्ढे नहीं भरे तो ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्ट

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जल जीवन मिशन के तहत खुदाई का काम करते समय सुरक्षा के सभी मानकों का सख्ती से पालन किया जाए और कार्य संपन्न होते ही खोदी गई सड़कों व गड्ढों को तत्काल भरा जाए। जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी खुद स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योगी सरकार शहरी इलाकों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में साफ पानी पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। जल जीवन मिशन के जरिए करोड़ों लोगों को इसका लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश के मुताबिक प्रदेश के सभी जिलों में जिलाधिकारी, जल जीवन मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकरी तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर खुदी हुई सड़कों व गड्ढों की स्थिति का पता करें। साथ ही इन्हें तत्काल भरना भी सुनिश्चित करें। इस काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। काम को समय से पूरा नहीं करने, अधूरा छोड़ने या इसमें लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं व ठेकेदारों पर जुर्माना लगाने के साथ ही उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

● हादसा सीसीटीवी में कैद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर- रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के महमूदाबाद-रेउसा मार्ग पर गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पैदल चल रहे युवक की तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, मृतक की पहचान लाल बाबू (35) पुत्र अज्ञात, निवासी थाना रेवती, जनपद बलिया के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह पिछले करीब 15 दिनों से अपने बहनोई राजेश पुत्र रामचतुर, निवासी रंजीतपुर (थाना रामपुर मथुरा) के यहां रह रहा था। परिजनों के अनुसार, गुरुवार शाम लाल बाबू अपने बहनोई के साथ बाजार गया था, जहां किसी समय दोनों अलग हो गए। देर रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला, इसी बीच पास के पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली गई, जिसमें रात करीब 4:18 बजे लाल बाबू सड़क के बीच टहलता हुआ दिखाई दे रहा है। तभी गोड़ैचा की ओर से आ रही तेज रफ्तार चार पहिया वाहन उसे जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो जाती है। हादसे के समय सड़क पर भारी वाहनों का आवागमन भी जारी था, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और परिजनों में कोहराम मच गया।चांदपुर चौकी इंचार्ज संजय सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है और जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अरविंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में व्यापारी प्रकोष्ठ की हुई महत्वपूर्ण बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर (सीतापुर) : अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और व्यापारियों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज कोतवाली परिसर में व्यापारी प्रकोष्ठ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कोतवाली परिसर में आयोजित व्यापारी प्रकोष्ठ की बैठक में व्यापारियों की सुरक्षा और शहर की कानून व्यवस्था को लेकर मंथन किया गया। इस बैठक में पुलिस और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। कोतवाली प्रभारी ने व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से अपराधों पर लगाम लगाई जा सकती है। पूरे लहरपुर क्षेत्र को हाई-मेगापिक्सेल कैमरों के नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, ताकि हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके। व्यापारिक क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पिकेट स्थापित करने पर सहमति बनी। कोतवाली प्रभारी ने अधीनस्थों को क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ व सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। सहयोग और तकनीक (CCTV) के तालमेल से हम लहरपुर को एक सुरक्षित क्षेत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष रियाज अहमद बब्लू ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि 'व्यापारी समाज शहर की सुरक्षा के लिए पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। हम व्यापारियों से अपील करते हैं कि वे अपनी दुकानों के बाहर बेहतर गुणवत्ता वाले कैमरे लगवाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस पिकेट और गश्त बढ़ने से व्यापारियों में सुरक्षा का भाव पैदा होगा और भयमुक्त व्यापारिक माहौल बनेगा। 'बैठक में व्यापारिक हितों और सुरक्षा व्यवस्था पर प्रमुख रूप से महामंत्री हरीश रस्तोगी गोलू, उपाध्यक्ष हाशिम अंसारी, जावेद अंसारी, शीलू शुक्ला, आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।ह इस अवसर पर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और नगर के गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक में प्रमुख रूप से रियाज अहमद अध्यक्ष किराना एसोसिएशन, विशाल कपूर, निहाल कुरैशी, मो0 रेहान चांद, ओमकार जायसवाल, रवि रस्तोगी, शियाराम जायसवाल, सरोज कुमार जायसवाल, ताहिर, नूरुल, आशिक अली, अबरार अहमद, आकाश सिंह, मौलाना सिराज खान और उस्मान खान समेत बड़ी संख्या में व्यापारी और प्रशासन के लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

ओपनिंग वीकेंड में ही लड़खड़ाई 'सुजाता', दर्शकों ने फिल्म से बनाई दूरी

कानपुर। बड़े पर्दे पर स्थानीय कलाकारों के साथ रिलीज हुई फिल्म 'सुजाता' का ओपनिंग वीकेंड उम्मीदों के विपरीत रहा। शुक्रवार से रविवार तक शुरुआती तीन दिनों में फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल नहीं हो सकी। शहर के कई सिनेमाघरों में शो के दौरान सीटें खाली नजर आईं, जिससे फिल्म की शुरुआत कमजोर मानी जा रही है। सिनेमाघरों में मौजूद दर्शकों के मुताबिक फिल्म को लेकर शुरुआती उत्साह सीमित ही रहा। कई जगहों पर शनिवार और रविवार को भी भीड़ नहीं बढ़ सकी और ऑक्यूपेंसी कम दर्ज की गई। फिल्म ट्रेड से जुड़े जानकारों का कहना है कि रिलीज से पहले जिस स्तर का प्रचार-प्रसार होना चाहिए था, वह देखने को नहीं मिला। सीमित प्रमोशन का असर सीधे ओपनिंग कलेक्शन और दर्शकों की संख्या पर पड़ा। फिल्म की कहानी सामाजिक और समकालीन मुद्दों पर आधारित बताई जा रही है, लेकिन शुरुआती प्रतिक्रिया मिश्रित रही है। कुछ दर्शकों ने विषय की सराहना की, वहीं कई लोगों ने स्क्रीनप्ले को धीमा और कहानी को कमजोर बताया। हालांकि स्थानीय कलाकारों को मंच देने की पहल की सराहना भी हो रही है। लोगों का कहना है कि अगर कहानी और प्रस्तुति और मजबूत होती तो फिल्म को बेहतर प्रतिक्रिया मिल सकती थी। फिल्म के निर्माता-लेखक संतोष गुप्ता ने इसे सामाजिक संदेश देने वाली फिल्म बताया है और उम्मीद जताई है कि आने वाले दिनों में दर्शक इसे पसंद करेंगे। मुख्य भूमिकाओं में देविका सिंह और अजय त्रिपाठी नजर आ रहे हैं, जबकि निर्देशन रवि शर्मा ने किया है। फिल्म फिलहाल शहर के चुनिंदा सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। अब फिल्म का भविष्य दर्शकों की प्रतिक्रिया और वर्ड-ऑफ-माउथ पर टिका है। ट्रेड विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कंटेंट लोगों को पसंद आया तो दूसरे हफ्ते में स्थिति सुधर सकती है, अन्यथा स्क्रीन कम होने की संभावना है।

ईरानी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों को चीन ने ठुकराया

● अपनी 5 रिफाइनरियों के लिए जारी किया आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक और कूटनीतिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने ईरान से तेल खरीदने के आरोपी अपने पांच टीपॉट रिफाइनरियों पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों को अवैध बताते हुए उनके खिलाफ 'निषेधाज्ञा' जारी किया है। चीनी सरकार का कहना है कि वह इन एकतरफा प्रतिबंधों को मान्यता नहीं देगी और इन्हें राष्ट्रीय संप्रभुता व सुरक्षा के खिलाफ बताया है। दरअसल, यह कदम विशेष रूप से हेंगली पेट्रोकेमिकल और चार अन्य स्वतंत्र टीपॉट रिफाइनरियों को अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से बाहर किए जाने के जवाब में उठाया गया है। चीन का कहना है कि ये प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों का उल्लंघन करती हैं।

राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए उठाया गया कदम

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि उसने एक निषेध आदेश जारी किया है, जिसमें यह निर्धारित किया गया है कि प्रतिबंधों को मान्यता नहीं दी जाएगी, लागू नहीं किया जाएगा या उनका पालन नहीं किया जाएगा। चीन ने इस आदेश को राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा के लिए उठाया गया कदम बताया है।

एकतरफा प्रतिबंधों का विरोध

चीनी मंत्रालय ने आगे कहा, 'चीनी सरकार ने संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी और अंतरराष्ट्रीय कानून में आधार के बिना एकतरफा प्रतिबंधों का लगातार विरोध किया है।' इसमें कहा गया है कि इस आदेश ने हेंगली पेट्रोकेमिकल (डालियान) रिफाइनरी और चार अन्य तथाकथित 'टीपॉट' रिफाइनरियों- शेडोंग जिनचेंग पेट्रोकेमिकल ग्रुप, हेबेई शिन्हाई केमिकल ग्रुप, शौगुआंग लुकिंग पेट्रोकेमिकल और शेडोंग शेंगक्सिंग केमिकल के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों को रोक दिया है। गौरतलब है कि 24 अप्रैल को अमेरिकी वित्त विभाग ने प्रदिबंधों की घोषणा करते हुए हेंगली को ईरान के सबसे मूल्यवान ग्राहकों में से एक 'बताया और कहा कि इसने कच्चे तेल की खरीद के माध्यम से ईरानी सेना के लिए सैकड़ों मिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न किया था।

सुनील नरेन ने जड़ा स्पेशल दोहरा 'शतक'

● IPL के इतिहास में पहली बार किया ये कारनामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिग्गज स्पिनर सुनील नरेन ने आईपीएल में इतिहास रच दिया है। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलते हुए खास कारनामा किया। वे ऐसा रिकॉर्ड बनाने वाले आईपीएल इतिहास के पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले किसी भी गेंदबाज ने ये कारनामा नहीं किया था। नरेन ने हैदराबाद के सलिल अरोड़ा को आउट कर मैच में पहला विकेट हासिल किया। इसी के साथ उन्होंने आईपीएल में खास दोहरा शतक जड़ा और युजवेंद्र चहल-भुवनेश्वर कुमार की खास लिस्ट में जगह बना ली है। नरेन ने आईपीएल में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए हैं। नरेन आईपीएल में ये कारनामा करने वाले मात्र तीसरे गेंदबाज हैं, जबकि वे पहले विदेशी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने आईपीएल के इतिहास में 200 विकेट लिए हैं।

सुनील नरेन ने IPL में पूरे किए 200 विकेट

हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से पहले नरेन के नाम पर 195 मैचों में 199 विकेट दर्ज थे। उन्हें 200 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने के लिए एक विकेट की दरकार थी और सलिल अरोड़ को आउट कर उन्होंने आईपीएल में अपना खास दोहरा शतक लगाया। नरेन आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले विदेशी गेंदबाज हैं, उनसे पहले किसी भी खिलाड़ी ने ये कारनामा नहीं किया है। नरेन ने मुकाबले में किफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 31 रन खर्च करते हुए 2 विकेट अपने नाम किए। वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार ये कारनामा कर चुके हैं। नरेन इस दौरान बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली की तरह रहे हैं क्योंकि उन्होंने आईपीएल में मात्र 6.8 की इकोनॉमी से रन खर्च किए हैं।

नरेन का आईपीएल करियर

नरेन ने अपने आईपीएल करियर में अब तक 196 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 201 विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक बार 5 विकेट हॉल प्राप्त किया है। बल्ले से भी इस दिग्गज ने कुछ अहम पारियां खेली हैं, जिसमें उन्होंने 165.30 की स्ट्राइक रेट से 1820 रन बनाए हैं।

शारदा नहर में दोस्तों के साथ नहाने गए किशोर की डूबने से मौत

लखनऊ। रहीमाबाद में दोस्तों के साथ नहर में नहाने गया एक किशोर तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गया। काफी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उसका शव बाहर निकाला। परिवारजन ने बताया कि तबलीगी जमात में शामिल होने के लिए आया था। हालांकि इसे हादसा बताते हुए पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया और सिपुर्द-ए-खाक कर दिया। सआदतगंज के अंबरगंज निवासी 15 वर्षीय अशाज अहमद अपने दोस्तों शोएब, अरमान, इस्माइल, अजमत, मोहम्मद अखलाक, मोहम्मद आसीम और अमन के साथ रहीमाबाद के तिरगवां गांव स्थित बिलाली मस्जिद में तबलीगी जमात में शामिल होने आया था। रविवार सुबह सभी साथी टहलने के बहाने मस्जिद से निकले और करीब पांच किलोमीटर दूर लखनऊ-उन्नाव सीमा पर स्थित औरास क्षेत्र के शोभा खेड़ा गांव के पास शारदा नहर में नहाने पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नहर के झाल के पास पानी का बहाव काफी तेज था। नहाते समय अशाज अचानक गहरे पानी में चला गया और बहने लगा। साथी शोएब व इस्माइल ने उसे बचाने की कोशिश करते हुए हाथ पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन पानी के तेज होने के कारण उसका हाथ छूट गया और वह देखते ही देखते डूब गया।घटना से साथियों में अफरातफरी मच गई और तत्काल पुलिस व परिवारजन को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही औरास थाना पुलिस व रहीमाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई।

विवेक विहार अग्निकांड पर PM मोदी ने जताया शोक

● मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये के मुआवजे का किया एलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी के शाहदरा जिले के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के हुए भीषण अग्निकांड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर पोस्ट कर इस हादसे को बेहद दुखद बताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि दिल्ली के शाहदरा में आग की घटना में लोगों की मौत अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इसके साथ ही पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष क्क्रूस्क्रस्न से मुआवजे का भी ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। गौरतलब है कि, शाहदरा के विवेक विहार में स्थित एक चार मंजिला इमारत में रविवार सुबह करीब 4 बजे अचानक आग लग गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि तीसरी मंजिल पर एक कमरे में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बिल्डिंग में धुआं फैल गया। इस हादसे में 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस इमारत में कुल 8 फ्लैट हैं। तड़के लगी आग की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

रामलला के दिव्य वस्त्रों में दिखेगी भारत की विविध शिल्प परंपरा

रामनगरी अयोध्या में विराजमान रामलला का श्रृंगार केवल आस्था का विषय नहीं है। यह भारत की समृद्ध वस्त्र परंपरा का जीवंत प्रदर्शन भी बन गया है। इन दिनों अधिक गर्मी के कारण रामलला के लिए मौसम के अनुकूल विशेष वस्त्र तैयार किए जा रहे हैं। इन वस्त्रों से उन्हें गर्मी का तनिक भी एहसास नहीं होगा। गर्मी के इस मौसम में रामलला को शुद्ध कॉटन के हल्के और आरामदायक वस्त्र पहनाए जा रहे हैं, जबकि जून माह में उन्हें बेहद मुलायम मलमल के परिधान धारण कराए जाएंगे। रामलला के दिव्य वस्त्रों को डिजाइन करने का दायित्व संभाल रहे प्रसिद्ध डिजाइनर मनीष त्रिपाठी बताते हैं कि रामलला के परिधान देश के अलग-अलग हिस्सों के उत्कृष्ट टेक्सटाइल से बनाए जाते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों मुर्शिदाबाद, कोयंबटूर, राजस्थान, गुजरात और विदर्भ से विशेष कपड़ा रामलला के लिए आया है। रामलला के हर परिधान में भारत की विविध शिल्प परंपराओं की झलक देखने को मिलती है। कहीं जामदानी की महीन बुनाई, तो कहीं राजस्थानी रंगाई, गुजरात की पारंपरिक बंधनी, कच्छ और सौराष्ट्र की कढ़ाई तो लखनऊ की प्रसिद्ध चिकनकारी हर कला का स्पर्श इन वस्त्रों को दिव्यता और आकर्षण प्रदान करता है।

किसानों की आवाज़ को बुलंद करने का संकल्प

● बेतिया में अतुल कुमार अंजान को भावभीनी श्रद्धांजलि

आंदोलन तेज करने का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया स्थित बलिराम भवन के सभागार में बिहार राज्य किसान सभा, पश्चिम चंपारण इकाई की ओर से एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन किसान सभा के राष्ट्रीय महासचिव रहे स्वर्गीय अतुल कुमार अंजान की पुण्यतिथि के अवसर पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसान नेताओं, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय अतुल कुमार अंजान के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उनके योगदान को नमन किया और किसान आंदोलन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अतुल कुमार अंजान के विचारों और उनके संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। नेताओं ने कहा कि उन्होंने जीवनभर किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के हक की लड़ाई लड़ी और उनके अधिकारों के लिए लगातार आवाज़ उठाई। उनके सिद्धांत आज भी किसान आंदोलन के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कार्यक्रम में यह संकल्प लिया गया कि स्वर्गीय अंजान के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए किसान सभा और अधिक मजबूती के साथ काम करेगी। किसानों की समस्याओं जैसे न्यूनतम समर्थन मूल्य, कर्ज़ मुक्ति, सिंचाई, बीज और खाद की उपलब्धता को लेकर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान भाकपा के जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि आज के समय में किसानों की स्थिति चिंताजनक है और ऐसे में अतुल कुमार अंजान के विचारों को अपनाकर ही संघर्ष को दिशा दी जा सकती है। किसान नेता राधामोहन यादव और अशोक मिश्र ने भी किसानों की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि अधिकारों की लड़ाई सड़क से संसद तक जारी रहेगी। कार्यक्रम में कृष्ण नंदन सिंह, केदार चौधरी, संजय सिंह, अंजारूल, चन्द्रिका प्रसाद, खेत मजदूर नेता राजेन्द्र साह, युवा नेता इदू मियाँ, एटक नेता लालबाबू राम सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे और किसान आंदोलन को मजबूत करने का आह्वान किया। महिला भागीदारी भी इस कार्यक्रम की विशेषता रही। शारदा देवी, मालती देवी, रंग देवी, शीला देवी और चंदा देवी ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किसानों के संघर्ष में महिलाओं की भूमिका को अहम बताया। पूरे कार्यक्रम के दौरान एक स्वर में यह बात सामने आई कि किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए अब संघर्ष को और व्यापक और तेज करने की जरूरत है। अंत में सभी ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि वे अतुल कुमार अंजान के बताए रास्ते पर चलते हुए किसानों की लड़ाई को और मजबूती देंगे। यह कार्यक्रम न केवल श्रद्धांजलि का अवसर था, बल्कि एक नई ऊर्जा और संकल्प के साथ किसान आंदोलन को आगे बढ़ाने का संदेश भी दे गया।

सीएम योगी के निर्देश पर एयरफोर्स ने संभाली कमान, पानी की टंकी पर फंसे बच्चों को किया गया एयरलिफ्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सिद्धार्थनगर के नवगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम बेलसड़ तप्पा थरौली में पानी की टंकी पर हुए हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन ने युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। रील बनाने के लिए टंकी पर चढ़े पांच बच्चों में से सीढ़ी टूटने के कारण तीन नीचे गिर गए, जिनमें एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। वहीं दो बच्चे टंकी के ऊपर ही फंस गए थे।

सीएम के निर्देश पर अलर्ट हुआ प्रशासन

घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल संज्ञान लिया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि फंसे बच्चों को सुरक्षित निकालने में कोई ढिलाई न बरती जाए। सीएम योगी के निर्देश के बाद जिला प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने हालात की गंभीरता को देखते हुए राहत आयुक्त से हेलीकॉप्टर की मांग की, जिसे तत्काल स्वीकृति मिल गई।

चुनौतीपूर्ण हालात में चला रेस्क्यू

सीएम योगी के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में कई बाधाएं सामने आईं। टंकी के आसपास जलभराव के कारण जमीन दलदली हो गई थी, जिससे भारी मशीनरी जैसे जेसीबी और क्रेन का उपयोग संभव नहीं हो सका। टंकी की ऊंचाई और टूटी सीढ़ी के कारण ऊपर पहुंचना जोखिम भरा था, बावजूद इसके प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमों ने लगातार प्रयास जारी रखा।

एयरफोर्स की मदद से बच्चों को उतारा गया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भारतीय वायुसेना से सहायता ली गई। गोरखपुर से हेलीकॉप्टर मंगवाया गया, जिसने रविवार सुबह मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। एयरफोर्स की टीम ने अत्यंत सावधानी से दोनों फंसे बच्चों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित नीचे उतार लिया।

'लाफ्टर शेफ्स 3' के दौरान सुनीता आहूजा ने गोविंदा पर किया कटाक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अपने सीधे और बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। वे अपने यूट्यूब चैनल पर परिवार, मंदिर दर्शन और आध्यात्मिक बातें भी साझा करती रहती हैं। हाल ही में सुनीता शो 'लाफ्टर शेफ्स 3' में नजर आईं। वहां उनका भावुक मिलना हुआ कृष्णा अभिषेक और उनकी पत्नी कश्मीरा शाह से। लेकिन इसी एपिसोड में सुनीता के गोविंदा पर दिए गए नए कटाक्ष ने सबको चौंका दिया।

सुनीता ने क्या कहा?

शो के दौरान सुनीता ने गोविंदा पर तंज कसते हुए कहा, 'कश्मीरा, जो आदमी अपनी पत्नी का सम्मान करता है, वही असली हीरो है। जो आंखों से गोली मारता है और तीसरे पक्ष के पास चला जाता है, तो उसे घुटनों पर गोली लग जाती है।'

2024 की घटना का जिक्र

अक्तूबर 2024 में गोविंदा को अपने मुंबई घर में गोली लग गई थी। उनके मैनेजर ने बताया था कि गोविंदा कोलकाता जाने की तैयारी कर रहे थे। अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर अलमारी में रखते समय वो फिसल गई और गोली उनके पैर में लग गई थी। बहरहाल, गोविंदा अब बिल्कुल स्वस्थ हैं।

'लोग गायब भी हो जाते हैं'

जब कृष्णा ने कहा कि सुनीता को देखकर बड़े-बड़े सुपरस्टार भी कांप जाते हैं, तो सुनीता हंसते हुए बोलीं, 'कांपते हुए तो वे गायब भी हो जाते हैं।' एक और मौके पर कश्मीरा ने जब कृष्णा की जोड़ी की बात की तो सुनीता ने चुटकी लेते हुए कहा, 'ये उनकी आदत है, इसलिए तो गोली चल जाती है। मैंने तो गोली भी नहीं चलाई, फिर भी ये सब हो गया।'

गोविंदा और सुनीता का रिश्ता

गोविंदा और सुनीता का रिश्ता बहुत पुराना है। दोनों बचपन से ही एक-दूसरे को जानते थे। मार्च 1987 में दोनों ने चुपचाप शादी कर ली, जब गोविंदा फिल्मों में नए-नए आए थे।

कई साल तक उन्होंने अपनी शादी को गुप्त रखा। बेटी के जन्म के बाद ही इसकी खबर बाहर आई। गोविंदा और सुनीता की एक बेटी टीना आहूजा (जो पहले फिल्मों में आ चुकी हैं) और बेटा यशवर्धन आहूजा है। गोविंदा ने 'राजा बाबू', 'भागम भाग', 'कुली नंबर 1', 'पार्टनर' जैसी कई हिट फिल्मों के लिए मशहूर हैं। पिछले कुछ समय से वे अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहते हैं।

जज अमन शर्मा सुसाइड केसः पिता की शिकायत पर FIR दर्ज, उकसाने और साजिश की धाराएं लगीं

दिल्ली। ग्रीन पार्क इलाके में न्यायिक अधिकारी अमन कुमार शर्मा की आत्महत्या मामले में पिता प्रेम शर्मा की तहरीर पर सफदरजंग एन्क्लेव थाने में पुलिस ने रविवार को एफआइआर दर्ज की है। दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस के मुताबिक मामले में बीएनएस की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाने) व 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। हालांकि पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि एफआइआर किसके खिलाफ दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को 30 वर्षीय अमन कुमार शर्मा ने अपने घर के बाथरूम में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उनके पिता ने पुलिस को दिए अपने बयान बताया कि वह लंबे समय से वैवाहिक समस्या को परेशान चल रहे थे। उनका अपनी पत्नी से झगड़ा चल रहा था और शनिवार दोपहर भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद अमन कुमार शर्मा ने आत्महत्या की। वहीं, सूत्रों की माने तो दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच के लिए (सीजेआई) को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में पुलिस की ओर से मामले में कार्रवाई के लिए अनुमति मांगी गई है।

सिलापथार में कृति विद्यार्थियों को किया सम्मानित

● युवाओं से मादक पदार्थों से दूर रहने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी- सिलापथार सिलागांव युवा संघ और सिलागांव बासी लोगों के सहयोग में आज 2026 वर्ष के मैट्रिक और हाइयर सेकेंडरी फाइनल परीक्षा में अपने योग्यता पर अच्छे परिणाम प्राप्त किए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सिलापथार मॉडल हॉस्पिटल के हेल्थ इंस्ट्रक्टर कुमुद सागर सोनवाल के अध्यक्षता में हुई सम्मान समारोह का शुभारंभ किया युवा संघ के अध्यक्ष अनुपम सोनोवाल ने। इलाके की 50 से अधीक मेधावी विद्यार्थियों को फूलाम गमछा, जापी, मानपत्र से सम्मानित किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त हेडमास्टर ज्ञानधर सोनवाल, सब्जेक्ट टीचर माहिम बरुआ, हेडमिस्ट्रेस शांतना मालाकार, टीचर रंजीत सिंह, टीचर ब्रजेन बगलारी, सोशल वर्कर दिगंत सोनवाल, निपोन सोनवाल, दीपांकर सोनवाल, सूर्य बहादुर बिस्वकर्मा और अन्य लोग शामिल हुए। कई वक्ताओं ने विधार्थियों को अपने शिक्षा जीवन में कैसे सफलता प्राप्त कर सके और शिक्षा के साथ एक योग्य नागरिक बनने में खुद को तैयार करने पर महत्व देखकर भाषण दिए। विद्यार्थियों को मादक पदार्थों से खुद को दूर रखकर जीवन को सुंदर बनाने की अपील की।

फर्जी पेमेंट गिरोह पर बड़ी कार्रवाई, 5 आरोपी गैंगस्टर एक्ट में नामजद

भदोही। जनपद में सक्रिय फर्जी पेमेंट कर सर्राफा व्यापारियों को ठगने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई। पुलिस के अनुसार गिरोह का सरगना ज्योतिष दूबे निवासी थाना विंध्याचल, जनपद मीरजापुर है। इसके साथ गिरोह के सक्रिय सदस्य अजीत कुमार सिंह, पवन सेठ, सौरभ मिश्रा और नितिन पाण्डेय भी शामिल हैं। सभी आरोपी मीरजापुर जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं। जांच में सामने आया कि यह संगठित गिरोह फर्जी मोबाइल एप के माध्यम से नकली पेमेंट ट्रांजेक्शन दिखाकर सर्राफा व्यापारियों को ठगता था। आरोपी व्हाट्सएप पर फर्जी 'पेमेंट सफल' का स्क्रीनशॉट दिखाकर दुकानदारों से पायल, अंगूठी, मंगलसूत्र व अन्य आभूषण लेकर फरार हो जाते थे। बाद में इन आभूषणों को गलाकर सिल्ली बनाकर बेच देते थे। पुलिस का कहना है कि गिरोह के सदस्यों का आपराधिक इतिहास भी रहा है और इनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरोह के आतंक के कारण पीड़ित लोग सामने आने से कतराते थे, जिससे इनके हौसले बुलंद थे। थाना गोपीगंज में सभी आरोपियों के विरुद्ध गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 की धारा 3(1) के तहत अभियोग पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मंदिर चोरी कांड का खुलासा

● चोरी के सामान के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार, सीएनजी ऑटो भी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

त्रिवेणीगंज। थाना क्षेत्र,राजेश्वरी थाना तथा सीमावर्ती मधेपुरा जिला के शंकरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मंदिरों में हुई चोरी की घटनाओं का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में रविवार को एसडीपीओ विभाष कुमार ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित कर पूरे मामले की जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि बीते दिनों त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र एवं राजेश्वरी थाना क्षेत्र के मंदिरों में चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। इसी दौरान सीमावर्ती मधेपुरा जिले के शंकरपुर थाना क्षेत्र के एक मंदिर में भी चोरी की वारदात की सूचना प्राप्त हुई थी। बता दें कि लगातार धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने से स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई। एसडीपीओ ने बताया कि घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए सुपौल जिला और मधेपुरा पुलिस ने संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया। एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ विभाष कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें त्रिवेणीगंज थाना,शंकरपुर थाना तथा दोनों जिलों की डीआईयू टीम को शामिल किया गया। गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान,सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन और मानवीय सूचना के आधार पर विभिन्न संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले,जिसके आधार पर शनिवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकरपुर थाना क्षेत्र के मधेली बाजार निवासी मोहम्मद अब्बू तालिब के पुत्र मोहम्मद साजिद,सुरेंद्र यादव के पुत्र आशीष कुमार तथा गम्हरिया थाना क्षेत्र निवासी राजकिशोर गुप्ता के पुत्र अंकित कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से मंदिरों से चोरी किए गए कई महत्वपूर्ण सामान भी बरामद किए हैं। इनमें करीब 19 किलो वजन के पांच घंटे व घंटियां,माता के श्रृंगार से जुड़े लगभग 380 ग्राम चांदी जैसे आभूषण,15 ग्राम का चांदी का पायल, 50 ग्राम का मुकुट, 35 ग्राम के घुंघरू तथा 230 ग्राम की चांदी की छतरी शामिल हैं। इसके अलावा चोरी की घटना में इस्तेमाल किया गया एक सीएनजी ऑटो भी जब्त किया गया है। एसडीपीओ विभाष कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की गई है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है उनकी भी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों पर चोरी की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है।

अखिलेश यादव ने टॉपर्स को बांटे लैपटॉप

● बोले- सपा सरकार बनी तो यत्न से क्क्न तक बेटियों की पढ़ाई मुफ्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा झूठ की सोनपापड़ी बनाती है, जिस पर परत-दर-परत झूठ चढ़ाया जाता है। मेरठ से आए मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप वितरित करते हुए उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर केजी से लेकर पीजी तक बेटियों की पढ़ाई पूरी तरह मुफ्त की जाएगी। रविवार को सपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने ने मेरठ के 10वीं और 12वीं के टापर छात्र-छात्राओं को लैपटॉप वितरित किए। इस मौके पर सरधना के विधायक अतुल प्रधान भी मौजूद रहे। उनके सहयोग से लखनऊ के कुछ मेधावी छात्र-छात्राओं को भी लैपटॉप दिए गए। उन्होंने कहा कि डिजिटल डिवाइस देने की शुरुआत सबसे पहले समाजवादी पार्टी ने की थी, जिसका मकसद डिजिटल डिवाइड को खत्म करना था। उन्होंने दावा किया कि उस समय दिए गए लैपटॉप आज भी चल रहे हैं और कई युवाओं ने उसी के जरिये अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की। मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने भाजपा सरकार पर कई मोर्चों पर हमला बोला। सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी की सीढ़ी टूटने से बच्चों की मौत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह घटना सीधे-सीधे भ्रष्टाचार का नतीजा है। सपा पहले से ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि टंकी भ्रष्टाचार का भार तक नहीं सह पाई। तंज कसते हुए कहा कि अगर टंकी की पाइपलाइन की जांच हो जाए तो उसकी कड़ी कालिदास मार्ग तक जुड़ती नजर आएगी। शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और कई विद्यालय बंद होने की स्थिति में हैं। सपा इन आंकड़ों को एकत्र कर रही है और जल्द ही विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करेगी।